राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 20 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-354 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ में अग्निकांड..

सिलेंडर के उड़े परखच्चे, कहीं बिखरे चूल्हे तो कहीं टूटे दिखे बर्तन...

आग सेक्टर-19 में अखिल भारतीय धर्म संघ गीता प्रेस गोरखपुर के कैंप में लगी और चारों ओर फैल गई

प्रयागराज।

प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र में रविवार को आग लग गई। ये आग सेक्टर-19 में अखिल भारतीय धर्म संघ गीता प्रेस गोरखपुर के कैंप में लगी और यहां से चारों ओर फैल गई। आग से 200 शिविर और 500 टेंट और उनमें रखे सामान जलकर खाक हो गए। हालांकि अब तक की जानकारी में आग लगने का सही कारण सामने नहीं आया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पहले एक सिलेंडर में आग लगी और इसके बाद यह फैल गई। आग के विकराल रूप लेने के बाद अलग-अलग टेंट में रखे सिलेंडर में एक के बाद एक कई ब्लास्ट हुए। लगभग आठ से नौ सिलेंडर में ब्लास्ट की जानकारी सामने आई है। हालांकि, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

अखाड़ा थाना प्रभारी भास्कर मिश्रा ने बताया कि महाकुंभ मेले के सेक्टर 19 में दो सिलेंडर में विस्फोट होने से कैंपों में भीषण आग लग गई। महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में पांटून पुल 12 स्थित अखिल भारतीय धर्म संघ श्रीकरपात्री धाम वाराणसी के शिविर में आग लगी थी। कैंपों में रखे एलपीजी सिलेंडर भी आग की चपेट में आ गए थे। रुक-रुककर सिलेंडर फट रहे थे। इस हादसे में 19 में सिलेंडर फटे। 18 शिविर आग की चपेट में आने से खाक हो गए। एनडीआरएफ के डीआईजी एमके शर्मा ने कहा कि यहां मौजूद सभी टीमों ने मिलकर काम किया और आग पर काबू पा लिया गया। एनडीआरएफ की चार टीमें यहां तैनात हैं। महाकुंभ मेला डीआईजी वैभव कृष्ण ने कहा कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हम जांच में आग के कारणों का पता लगाएंगे। मौके पर करीब 15 दमकल गाडियां मौजूद हैं। हम लोगों को निकाल रहे हैं। सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

300 फीट ऊपर तक उठा धुआं करीब

आग लगने के दो मिनट बाद फायरब्रिगेड की गाडियां पहुंचीं। दस मिनट मशक्कत के बाद भी आग नहीं बुझ सकी। दो-तीन शिविरों की जद में आग बढ़ी तो तीन सिलिंडर भी फटने की आवाज आई। आग बढ़ते-बढ़ते करीब 100 वर्ग मीटर से ज्यादा फैल गई। आग की लपटें 30 फीट ऊंचाई तक उठी। फायरब्रिगेड की टीम आग बुझाने में लगी रही। अफरा-तफरी के बीच अफसर भी मौके पर भागते नजर आए।

सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान

प्रयागराज के जिला मजिस्ट्रेट रवींद्र कुमार ने बताया कि सेक्टर 19 में गीता प्रेस के टेंट में शाम 4.30 बजे आग लग गई। उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। स्थिति नियंत्रण में है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में आग लगने की घटना का संज्ञान लिया है, उनके कार्यालय ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं। यूपी के एडीजी भानु भास्कर ने कहा कि आग बुझा दी गई है। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सभी सुरक्षित हैं। आग लगने का कारण सिलेंडर ब्लास्ट बताया जा रहा है, लेकिन इस संबंध में अभी और जांच की जानी बाकी है। उन्होंने कहा कि हमें सिलेंडर फटने की सूचना मिली थी। लोगों को बाहर निकाला गया और आग बुझाई गई। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हमें बताया गया है कि 2 सिलेंडर फटे हैं, लेकिन जांच की जा रही है।

घटना पर सपा ने उठाया सवाल

महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग की घटना के बाद समाजवादी पार्टी ने योगी सरकार पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। सपा

200 शिविर...500 टेंट खाक

नेता ने कहा कि समाजवादी पार्टी शुरू से कुंभ में हो रही तैयारी पर सवाल खड़े कर रही थी। जो श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, वह खुले आसमान के नीचे हैं। पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। महाकुंभ में आग लगने की घटना पर अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ मेले में लगी आग को तुरंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

ट्रेनों का संचालन भी रोका गया

महाकुंभ में लगी भीषण आग मुख्य रोड पर लोहे के ब्रिज के पास लगी थी। हवा की गति सामान्य से तीन गुना तेज होने के चलते अन्य टेंट भी आग की चपेट में आ सकते थे। दमकल की एक दर्जन से ज्यादा गाडियां आग बुझाने में लगी रहीं। वहीं जिस जगह आग लगी है उसके पास रेलवे पुल होने से ट्रेनों का संचालन भी रोक दिया गया। आग बुझने के बाद ट्रेनों का संचालन शुरू हुआ।

पहला कॉलम

100 महिलाएं बनीं नागा संन्यासी

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में 2 विदेशी समेत 100 महिलाओं ने एक साथ नागा संन्यासी की दीक्षा ली। इसमें सभी आयु वर्ग की महिलाएं हैं। सभी जूना अखाड़े से जुड़ी हैं। संगम घाट पर अपने केश कटवाए। फिर जीते जी खुद का और अपनी सात पीढ़ियों का पिंडदान किया है। गंगा में 17 पिंड बनाए, जिनमें से 16 उनकी सात पीढ़ियों के थे। एक उनका खुद का था। गंगा स्नान के बाद उन्होंने गेरुआ वस्त्र छोड़कर बिना सीले श्वेत वस्त्र धारण किए। 20 जनवरी को आचार्य महामंडलेश्वर मंत्र देंगे। इस बीच उनकी कठिन साधना चलती रहेगी। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या को तड़के सभी महिलाएं नागा संन्यास की दीक्षा लेंगी।

मां, 2 बच्चे समेत 4 जिंदा जले

गाजियाबाद । गाजियाबाद में आग लगने से एक परिवार के 4 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। 4 गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के वक्त बिल्डिंग में 8 लोग थे। आग इतनी तेजी से फैली कि लोग बिस्तर से उठ नहीं पाए। मरने वालों में मां, दो बच्चे और एक भतीजा है। बच्चों की उम्र 7 से 9 साल के बीच थी। घटना रविवार सुबह 6 बजे लोनी के कंचन पार्क की है। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया- घर में सो रहे लोग आग लगने से चपेट में आ गए। फायर और पुलिस की टीम पहुंची। घर में 4 लोग मृत मिले, 4 लोग झुलस हुए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें से दो की हालत गंभीर है।

राहुल गांधी के खिलाफ असम में एफआईआर

गुवाहाटी । राहुल गांधी के हालिया बयान को लेकर असम में गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 और 197(1)डी के तहत भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले काम के लिए दर्ज की गई थी। यह एक गैर जमानती अपराध की कैटेगरी है। शिकायतकर्ता मोनजीत चेतिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के बयान ने भाषण की उन सीमाओं को पार कर लिया है, जिन्हें स्वीकार किया जा सकता है। इससे सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। चेतिया ने दावा किया कि गांधी के शब्द राज्य के अधिकार को न मानने की कोशिश थे। इससे ऐसा खतरा पैदा हो गया है, जो अशांति और अलगाववादी भावनाओं को भड़का सकता है।

मनीष सिसोदिया ने लिया निजी लोगों से 1.50 करोड़ का ऋण, बीजेपी ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया से निजी लोगों से 1.50 करोड़ रुपए के शिक्षा ऋण के मामले में जवाब मांगा है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि यह ऋण सिसोदिया के बेटे की विदेश में शिक्षा की पढ़ाई के लिए लिया गया था। बीजेपी पर पलटवार करते हुए आप ने बीजेपी से उसके नई दिल्ली के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा की संपत्ति के बारे में सवाल किया है। आप ने एक बयान में कहा कि मनीष सिसोदिया ने बेटे की पढ़ाई के लिए ऋण लिया तो बीजेपी में हड़कंप मच गया, जबकि प्रवेश वर्मा ने 55 करोड़ रुपए निजी ऋण समेत 63 करोड़ रुपए की देनदारी घोषित की और बीजेपी इस पर चुप है।

सिसोदिया के चुनावी हलफनामे का हवाला देते हुए बीजेपी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को मिले 1.50 करोड़ रुपए के शिक्षा ऋण में तीन व्यक्तियों ने योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी सिसोदिया को मिले ऋण की जांच के लिए एजेंसियों से संपर्क करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में कहा

हमें विकास के साथ विरासत को सहेजना है

- महाकुंभ में दुनियाभर से लोग आ रहे, ये सामाजिक एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 118वें एपिसोड में महाकुंभ और रामलला का जिक्र किया। उन्होंने कहा- महाकुंभ में दुनियाभर से लोग आते हैं। यह सामाजिक समरसता का ऐसा संगम है, जहां जात-पात, ऊंच-नीच से परे लोग एक-दूसरे के साथ पवित्र स्नान करते हैं। भंडारों में भोजन और प्रसाद लेते हैं। मोदी ने कहा कि कुंभ एकता का महाकुंभ है। उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम को यह एक सूत्र में बांधता है। यह हजारों साल से चली आ रही परंपरा है। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ होता है। वहीं, दूसरी तरफ गोदावरी, कृष्णा, कावेरी और नर्मदा नदी के तट पर पुष्करम मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने अपने 30 मिनट के प्रोग्राम में 23, 25 और 26 जनवरी के अलावा रामलला, स्टार्टअप इंडिया, स्पेस सेक्टर, हाथी बंधु, टाइगर रिजर्व, अरुणाचल प्रदेश और निकोबार में वर्जिन कोकोनट ऑयल का भी जिक्र किया। 26 जनवरी की वजह से पीएम का प्रोग्राम इस बार एक हफ्ते पहले हुआ। पीएम ने कहा कि एक भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप बेंगलुरु के पिक्सेल ने देश का पहला निजी सैटेलाइट कौंसीलेशन फायर फ्लाई, सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। यह दुनिया का सबसे हाई रेजोल्यूशन हाइपर स्पेक्ट्रल सैटेलाइट कौंसीलेशन है। कुछ दिन पहले हमारे वैज्ञानिकों ने स्पेस डोकिंग

कराई। अंतरिक्ष में पौधे उगाने और उन्हें जीवित रखने में भी लगे हुए हैं। हमारा देश स्पेस टेक्नोलॉजी में नए कीर्तिमान बना रहा है। पीएम ने कहा कि कुछ दिन पहले ही स्टार्टअप इंडिया के 9 साल पूरे हुए हैं।

हमारे देश में जितने स्टार्टअप 9 साल में बने हैं उनमें से आधे से ज्यादा टीयर-2 और टीयर-3 शहरों से हैं, और जब यह सुनते हैं तो हर हिन्दुस्तानी का दिल खुश हो जाता है, यानि हमारा स्टार्टअप कल्चर बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है।

26 से उत्तराखंड में लागू हो जाएगा यूनिफॉर्म सिविल कोड!

प्रशासन की तैयारी पूरी

नई दिल्ली ।

उत्तराखंड सरकार 26 जनवरी से राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऐसा करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा। बता दें कि इससे पहले, नियम और कार्यान्वयन समिति की सलाह के बाद सरकार ने कुछ बदलावों को समीक्षा के लिए विधायी विभाग को भेजा था।

समीक्षा किए गए नियमों को विभाग द्वारा अप्रूव किया गया है। समीक्षा किए गए नियमों को कल धामी कैबिनेट द्वारा पारित किए जाने की संभावना है। वहीं, इस कानून को लेकर कर्मचारियों के लिए ब्लॉक-स्तरीय प्रशिक्षण सत्र चलाया जा रहा है, जिसके 22 जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। बता दें कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा था कि जनवरी से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने अपना होमवर्क पूरा कर लिया है और जनवरी 2025 से पूरे राज्य में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी।

हिमाचल में भारी बर्फबारी से कई प्रमुख सड़कें और अटल टनल बंद

तूफानी हवाओं के साथ कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली।

देशभर में ठंड की मार जारी है। पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, लेह लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी लगातार हो रही है। इसके असर से उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बारिश और घना कोहरा छाया हुआ है। वहीं कुछ इलाकों में दिन में धूप खिलने के बावजूद ठंडी हवाएं चल रही हैं। इस कारण इन राज्यों का तापमान गिर रहा है। हिमाचल में भारी बर्फबारी से कई प्रमुख सड़कें और अटल टनल बंद हो गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम हल्का कोहरा छाया रहा लेकिन दिन में धूप खिलने के बाद भी ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो दिन तक दिल्ली-एनसीआर में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा तीन राज्यों में तूफानी हवाएं चलने की संभावना जताई है और 15 से ज्यादा राज्यों में बारिश और कोहरा छाने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ निचले और मध्य क्षोभमंडल में स्थित है। पूर्वी हवाओं के साथ एक ट्रफ निचले क्षोभमंडल में गुजरात से उत्तरी राजस्थान तक फैला हुआ है। इसके असर से 21 जनवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इसके बाद 21 से 23 जनवरी तक उत्तर-पश्चिमी भारतीय मैदानी इलाकों जैसे पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 22 जनवरी को राजस्थान में 22 और 23 जनवरी को पश्चिमी यूपी में और 23 जनवरी को उत्तराखंड में बारिश और भारी बर्फबारी हो सकती है।

पूर्वी हवाओं के साथ एक ट्रफ तमिलनाडु तट से दूर बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित है। इसके प्रभाव से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और कराईकल में कुछ स्थानों पर भारी बारिश, तूफानी हवाएं और बिजली गिरने की संभावना है।

हाइवे पर छाया घना कोहरा, आपस में टकराए कई वाहन, मची चीख-पुकार

-वाहनों की लग गई लंबी लाईन, पुलिस ने क्रेन से हटवाए क्षतिग्रस्त वाहन

करनाल।

हरियाणा के करनाल में नेशनल हाइवे पर कोहरे के कारण कई वाहन आपस में टकरा गए। हाइवे पर विजिबिलिटी काफी कम थी जिस वजह से यह घटना हुई। सूचना के बाद पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और क्रेन की मदद से वाहनों को साइड में किया। इसके बाद यातायात शुरु हो सका। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि कई वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक यह हादसा नेशनल हाइवे झंझाडी फ्लाईओवर पर हुआ। घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी काफी कम थी। इसी वजह से करनाल नेशनल हाइवे पर एक-एक कर 8 से 10 वाहन आपस में टकरा गए। इससे वाहनों में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर मदद की। इस घटना के बाद हाइवे पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन

गई। लोगों ने घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। पुलिस ने क्रेन की मदद से हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात बहाल करवाया।

वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि कोहरा काफी घना था। इस दौरान सड़क पर आगे चल रहे वाहन का अचानक ब्रेक लगा, जिससे पीछे चल रहे वाहनों को संभलने का मौका नहीं मिला और कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हादसे में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

अनशन के 55वें दिन डल्लेवाल को ग्लूकोज चढ़ाया

किसान आंदोलन-केंद्र बातचीत को तैयार, 14 फरवरी को मीटिंग

पटियाला।

सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद समेत 12 मांगों को लेकर 55 दिन से अनशन कर रहे 70 साल के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को ग्लूकोज चढ़ाया गया है। शनिवार को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे थे। उन्होंने डल्लेवाल से मिलकर मीटिंग का न्योता दिया।

केंद्र की तरफ से बातचीत का प्रस्ताव मिलने के बाद किसानों ने डल्लेवाल को मेडिकल ट्रीटमेंट देने के लिए हामी भर दी और देर रात उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया गया। अब चंडीगढ़ में 14 फरवरी को किसान संगठनों की भारत और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक होगी।

हमें डल्लेवाल की सेहत की चिंता

खनौरी बॉर्डर पर मीडिया से बातचीत करते हुए जॉइंट सेक्रेटरी प्रियरंजन ने कहा कि केंद्र को आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल की सेहत की फिक्र है। हम यहां आए हैं, ताकि कोई रास्ता निकल सके। केंद्र की तरफ से बातचीत का जो प्रस्ताव दिया गया है उसमें लिखा है- भारतीय किसान यूनियन (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा की मांगों को लेकर भारत सरकार और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ 14 फरवरी को बैठक होगी। यह बैठक चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में होगी। हम आशा करते हैं कि डल्लेवाल जल्द अपना अनशन खत्म करेंगे और बैठक में शामिल होंगे।

डल्लेवाल का कुछ खाने से इनकार

केंद्र सरकार के अफसरों ने बातचीत के प्रस्ताव के बाद डल्लेवाल से कुछ खाने की अपील की। डल्लेवाल ने मेडिकल एड लेने पर तो सहमति दे दी, लेकिन कुछ खाने से इनकार कर दिया। डल्लेवाल की निगरानी कर रहे डॉक्टरों की टीम में शामिल डॉ. स्वयमान सिंह कहना है कि उनका 14 फरवरी तक केवल मेडिकल एड पर जिंदा रह पाना मुश्किल है। इसके बाद किसान नेताओं ने कहा कि वे डल्लेवाल को खाने के लिए मनाएंगे। इधर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मैंने केंद्र को पहले ही बातचीत करने को कह दिया था। चंडीगढ़ में जहां 14 फरवरी को बैठक होगी, मैंने वहां 4 बैठकें कराईं थी। यहां केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी आए थे। पंजाब देश की फूड बॉल है। किसानों की बात नहीं सुनेंगे तो किसकी सुनेंगे? बातचीत ही हल है।

डल्लेवाल का 20 किलो वजन कम हुआ

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि डल्लेवाल का वजन 20 किलो कम हो गया है। जब वे आमरण अनशन पर बैठे थे, तब उनका वजन 86 किलो 950 ग्राम था। अब यह घटकर 66 किलो 400 ग्राम रह गया है।

उन्होंने कहा कि डल्लेवाल की लेटेस्ट मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक किडनी और लिवर से संबंधित टेस्ट का रिजल्ट 1.75 है, जो सामान्य परिस्थितियों में 1 से कम होना चाहिए। सरकार जानबूझकर सुप्रीम कोर्ट को उन टेस्ट के रिजल्ट बताती है, जिनमें पैरामीटर्स में बदलाव नोटिस होने में ज्यादा समय लगता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युद्ध विराम समझौते का ईमानदारी से पालन जरूरी

(लेखक - ललित गर्ग)

यह शांतिपूर्ण विश्व संरचना के लिये सुखद ही है कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। लेकिन इस एवं ऐसे युद्धों ने ऐसे अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े किये हैं कि जब युद्ध की अन्तिम निष्पत्ति टेबल पर बैठकर समझौता करना ही है तो यह युद्ध के प्रारंभ में ही क्यों नहीं हो जाता? युद्ध भीषणतम तबाही, असंख्य लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही क्यों दी जाये? खेर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60-दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा। डेढ़ साल से अधिक समय के युद्ध के बाद, युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है।

इस्राइल-हमास में पिछले डेढ़ साल से चल रहे युद्ध के विराम को एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे बड़ी राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों एवं भारत की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे।

युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक-भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। युद्ध के आघात से पीड़ित लोगों में अक्सर दूसरे पक्ष के साथ मेल-मिलाप करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की इच्छा कम हो जाती है। कमजोर नागरिक समाज और कम सरकारी क्षमताएं लोगों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ बना सकती हैं और राज्य के बिगाड़ने वालों या राजनीतिक विरोधियों द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है।

हालांकि, अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है।

अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता।

हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फिलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस युद्ध मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है। युद्ध का अंधेरा मिटाने, शांति का उजला करने एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते हुए दोनों ही देशों को दिशा-दर्शन देते रहे हैं। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन में भी युद्ध-विराम की अपेक्षा है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। जब तक रूस के अहंकार का विसर्जन नहीं होता तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में तैरती रहेगी, इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे।

> इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके।

संपादकीय

बंद हुआ कारोबार

अमेरिकी निवेश व अनुसंधान कंपनी हिडनबर्ग रिसर्च ने अचानक अपना कारोबार समेटने का ऐलान कर दिया। कंपनी के संस्थापक नेट एंडरसन ने अपने परिचितों, परिवार व मित्रों का हवाला देते हुए वेबसाइट पर पर्सनल नोट में लिखा- मैंने हिंडनबर्ग रिसर्च को भंग करने का फैसला किया है। नेट ने कहा यह अचानक लिया गया फैसला नहीं है। काफी सोच-समझकर लिया गया फैसला है। 2017 में हिंडनबर्ग रिसर्च का गठन करने वाले एंडरसन ने इसे अपने जीवन का एक अध्याय बताते हुए, जीवन का मुख्य केंद्र नहीं है कहा। अमेरिकी अकाउंटेंट हैरी माकरेपोलस को अपना रोल मॉडल मानने वाले एंडरसन ने ऐसे वक्त यह घोषणा की है, जब अमेरिका के नये राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेने वाले हैं। आलोचकों के अनुसार जॉर्ज सोरेस के साथ हिंडनबर्ग के कथित संबंधों व ट्रंप प्रशासन के दबाव का अंदेशा व्यक्त किया है। इस शॉर्ट सेलिंग कंपनी को 2024 में भारतीय बाजार नियामक संस्था सेबी द्वारा कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। क्योंकि कंपनी ने सेबी प्रमुख माधवी बुच पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप मढे थे। उससे पहले हिंडनबर्ग ने देश के प्रमुख औद्योगिक समूह अडाणी पर गंभीर आरोपों द्वारा भारत में सुर्खियां बटोरी थीं। समूह के मालिक गौतम अडानी पर अपनी ही कंपनियों के शेयरों में हेराफेरी कर सौ अरब डॉलर कमाने का आरोप था। रिपोर्ट सार्वजनिक होते ही अडानी ग्रुप को डेढ़ सौ अरब डॉलर का नुकसान होते ही वह विश्व के बीस अतिसमृद्धों की सूची से बाहर हो गए। हिंडनबर्ग की रिपोटरे का हवाला देकर विपक्ष ने एकजुट होकर मोदी सरकार पर हमला बोल दिया था। हिंडनबर्ग ने अमेरिका के अलावा विदेशों की विभिन्न कंपनियों में गैर-कानूनी लेन-देन व वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया, जिससे उनके शेयर्स बुरी तरह ध्वस्त होने से उन्हें जबरदस्त नुकसान झेलना पड़ा। अरबपतियों व कुलीन वर्ग के साम्राज्य को हिलाने की जरूरत पर जोर देने वाली कंपनी के इस फैसले से खुश होने वाले भले ही चुनिंदा हैं मगर हतप्रभ रहने वाले लाखों हैं। असल में यह फैसला उसे क्यों लेना पड़ा, जब तक यह स्पष्ट नहीं हो जाता, हर कोई अपने-अपने कयास लगाता रहेगा। दुनिया भर को अपने निशाने पर रखने वाले एंडरसन ने अभी अपनी भविष्य की योजनाओं के भी स्पष्ट संकेत नहीं दिए हैं। हो न हो, वह बड़ी तैयारी से कुछ अनोखा ही कर दिखाएंगे।

> असल में यह फैसला उसे क्यों लेना पड़ा, जब तक यह स्पष्ट नहीं हो जाता, हर कोई अपने-अपने कयास लगाता रहेगा। दुनिया भर को अपने निशाने पर रखने वाले एंडरसन ने अभी अपनी भविष्य की योजनाओं के भी स्पष्ट संकेत नहीं दिए हैं।

फ़िल्म काल्पनिक है गुरु सत्य है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

आजकल कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. उनकी यह फिल्म काफी वक्त से रिलीज का इंतजार कर रही थी. ऐसे में कंगना रनौत की यह फिल्म काफी सुर्खियों में रही. इमरजेंसी भारत की पूर्व प्रधानमंत्री की जिंदगी से जुड़ी कुछ अहम घटनाओं को दिखाया है. ऐसे में यह फिल्म चर्चा का विषय लंबे समय से बनी हुई है मैं इस फ़िल्म का विरोध करता हूँ इसलिए मैं फ़िल्म ही नहीं देखूंगा शांतिपूर्ण तरीके से गुरू की मर्यादा को देखते हुए इसपर किसी भी स्थिति में माहौल को शांति पूर्ण कायम रखना चाहिए ,गुरू गुरू ही है उसके लिए उनके लिए अगर शहीद भी कभी होना पड़ा तो क़ोई गम नहीं सिखों के दसवें गुरु,गुरु गोबिंद सिंह जी ने 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की और सिखों को 'सिंह' मतलब 'शेर' का नाम दिया था। खालसा के यदि शाब्दिक अर्थ की बात करें तो होता है 'शुद्ध'। यह अरबी शब्द 'खालिस' से लिया गया है। खालसा शब्द श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में संत कबीर की वाणी में केवल एक बार आता है। इसमें लिखा है, 'कहू कबीर जब भाये खालसा प्रेम भगत जिह जानी', जिसका अर्थ है, 'कबीर कहते हैं कि वे लोग जो परमात्मा के प्रेम और भक्ति को जानते हैं, वे सबसे शुद्ध हैं।'

मुगल सम्राट औरंगजेब के इस्लामी शरिया शासन के दौरान अपने पिता गुरु तेग बहादुर के सिर काटे जाने के बाद गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा को एक योद्धा के रूप में स्थापित किया, जिसका कर्तव्य था कि वह किसी भी प्रकार के धार्मिक उत्पीड़न से निर्दोषों की रक्षा करें। खालसा की स्थापना के साथ ही सिख परंपरा में एक नए चरण की शुरुआत हुई। इसने सिखों के अस्थायी नेतृत्व के लिए एक नई संस्था का रूप लिया, जिसने मसंद व्यवस्था की जगह ली। इसके अतिरिक्त, खालसा ने सिख समुदाय के लिए एक राजनीतिक और धार्मिक दृष्टि भी प्रदान की। और उस दिन से, वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह सिख धर्म का एक अभिन्न अंग बन गया। ये वो समय था, जब औरंगजेब का अत्याचार लगातार ही बढ़ता जा रहा था और देश भर के हिन्दू सहित कश्मीरी पंडित आतंकित थे। वाराणसी, उदयपुर और मथुरा सहित हिन्दुओं की श्रद्धा वाले कई क्षेत्रों में औरंगजेब की फ़ौज मंदिरों को ध्वस्त किए जा रही थी। सन 1669 में तो हद ही हो गई जब हिन्दुओं को नदी किनारे मृतकों का अंतिम-संस्कार तक करने से रोक दिया गया। शाही आदेश और जोर-जबरदस्ती, दोनों के जरिए हिन्दुओं पर प्रहार हो रहे थे। जम्मू-कश्मीर में शेर अफगान नामक आक्रांता कश्मीरी पंडितों का नामोनिशान मिटा देना चाहता था और औरंगजेब को उसका संरक्षण प्राप्त था। ऐसे कठिन समय में कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरु तेग बहादुर के पास पहुँचा और उन्हें अपनी समस्या बताई। औरंगजेब के अत्याचार और क्रूरता की दास्तान सुनाई तो वो काफी दु:खी हो उठे। कहते हैं, जब पूरे दरबार में निराशा का माहौल था, तब बालक गोविंद राय को भी ये ठीक नहीं लगा और उन्होंने कई सवाल दाग दिए। वो पूछने लगे कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जहाँ दिन-रात भजन-कीर्तन और शास्त्रों की बातें होती थीं, वहाँ आज इस तरह नीरसता का माहौल छाया हुआ है। बच्चे की जिद के आगे गुरु तेग बहादुर झुक गए और सारी व्यथा कह डाली। दरबार में कौन लोग आए थे और उनकी व्यथा थी

उन्होंने ये तक कह दिया कि इनके दु:खों के निवारण के लिए किसी महापुरुष का बलिदान चाहिए। इस पर बालक गोविंद राय ने पूछा इस समय भारतवर्ष में आपसे बढ़ कर विद्वान, सद्गुणों वाला और महान महापुरुष कौन है, इसीलिए क्या आपको ही इस बलिदान के लिए स्वयं को प्रस्तुत नहीं करना चाहिए? एक बालक के मुँह से गुरु नानक की शिक्षाओं और शरणागत की रक्षा के लिए प्राण त्यागने की बातें सुन कर गुरु तेग बहादुर समझ गए कि ये ईश्वर का ही संदेशा है।

गुरु तेग बहादुर जी औरंगजेब से मिलने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली गए, जहाँ उन्होंने औरंगजेब चुनौती दी कि यदि वे गुरु तेग बहादुर जी को इस्लाम में परिवर्तित कर सकते हैं, तो सभी कश्मीरी पंडित भी धर्मांतरित हो जाएँगे। औरंगजेब ने अपने शिष्यों को गुरु तेग बहादुर जी को किसी भी कीमत पर परिवर्तित करने का आदेश दिया।

उन्होंने गुरु तेग बहादुर को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने के लिए हर संभव यातना दिया लेकिन असफल रहे। अंततः औरगजेब के आदेश पर श्री गुरु तेग बहादुर का सर धड़ से अलग कर दिया। तीन अन्य सिखों, भाई मति दास, भाई सती दास, और भाई दयाल दास, जो उनके साथ दिल्ली आए थे, को भी श्री गुरु तेग बहादुर जी की हत्या से पहले औरंगजेब ने मरवा डाला था।

गुरु तेग बहादुर जी की औरंगजेब द्वारा हत्या के बाद, उनके पुत्र श्री गुरु गोबिंद सिंह सिखों के दसवें और अंतिम गुरु बने। खालसा के गठन से कई महीने पहले, गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने सभी अनुयायियों को 1699 में बैसाखी पर आनंदपुर साहिब आने का निमंत्रण भेजा था, जो 30 मार्च को था। आनंदपुर साहिब में हजारों अनुयायी इस शुभ आयोजन के लिए एकत्रित हुए थे।

विशेष रूप से, गुरु गोबिंद सिंह ने निमंत्रण में खालसा बनाने के अपने इरादे के बारे में कोई सूचना नहीं दी थी, लेकिन एक धार्मिक मण्डली का उल्लेख किया था। बैसाखी से कुछ समय पहले श्री गुरु गोबिंद सिंह ने मसंदों की संस्था को समाप्त कर दिया था। वे मूल रूप से गुरु और अनुयायियों बीच माध्यम की तरह थे। मसंद प्रथा के उन्मूलन के साथ संगत और गुरु के बीच एक सीधा संबंध बन गया।

सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों को वैसाखी के दिन 30 मार्च 1699 को श्री आनंदपुर साहिब में इकट्ठा होने के लिए कहा। गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक पहाड़ी (जिसे अब श्री केसगढ़ साहिब कहा जाता है) पर जमा हुए मण्डली को संबोधित किया। उन्होंने सिख परंपरा के अनुसार अपनी तलवार खींची, और फिर इकट्ठा हुए लोगों से एक स्वयंसेवक को आगे आने के लिए कहा, जो अपना सिर बलिदान करने के लिए तैयार हो।

(चिंतन-मनन)

ईश्वरीय सिद्धांत

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई।

इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठिर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो।

धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अत- यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

विचार मंथन

ईमेल, व्हाट्सएप और एसएमएस से कोर्ट के वारंट और समन की तामीली

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 64 के अनुसार अब डिजिटल प्लेटफार्म से न्यायालय के समन और वारंट भेजने का काम मध्य प्रदेश में शुरू हो गया है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अनुसार कार्यवाही शुरू कर दी है। शनिवार को सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। मध्य प्रदेश में इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद शनिवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर में एक समारोह के माध्यम से इसकी शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अभय एस ओका, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कैत ने (ट्रांसमिशन ऑफ वारंट और सम्मन एंड रिपोर्ट्स थ्रू इनफॉरमेशन एंड टेक्नोलॉजी) की शुरुआत की है। न्यायिक प्रणाली में समन और वारंट की तमीली कराना सबसे जटिल प्रक्रिया थी। कई महीनो और वर्षों तक उनकी तामीली नहीं हो पाती थी, जिसके कारण मुकदमों को निपटने में काफी विलंब होता था। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय दंड संहिता के स्थान पर बीएनएसएस कानून को लागू किया गया है। इसमें धारा 64 के अंतर्गत 48 घंटे के अंदर समन और वारंट की तमीली डिजिटल एवं सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से कराने का प्रावधान किया गया है। भारत में यह प्रक्रिया शुरू करने वाला मध्य प्रदेश पहला राज्य बन गया है। डिजिटल और सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकी के माध्यम से इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 10 जिलों में परीक्षण करने के बाद जो सफलता मिली, उसके बाद सबसे पहले इस व्यवस्था को मध्य प्रदेश में लागू किया गया है। इस प्रक्रिया के लागू हो जाने के बाद मध्य प्रदेश में अब न्यायिक सुनवाई तेजी के साथ हो सकेगी। एसएमएस, व्हाट्सएप और ईमेल पर सूचना भेजने को वैधानिक स्वरूप दिया जा चुका है। मध्य प्रदेश में डिजिटल तरीके से ऑनलाइन मुकदमा पेश करने की प्रक्रिया पहले से ही संचालित है। अब सूचनाओं को भी समय पर संबंधित पक्षों को 48 घंटे के अंदर भेजा जा सकेगा और उन्हें उसी समय मिल भी जाएगी। इस कारण मुकदमों की सुनवाई में तेजी आएगी। उल्लेखनीय है, मध्य प्रदेश में सबसे पहले प्रदेश के 10 जिलों में प्रायोगिक रूप से अगस्त 2024 से यह काम शुरू किया गया था। सफलता मिलने के बाद अब इसे पूरे राज्य में लागू किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में 44 फ़ीसदी मामले इसलिए लंबित रहते थे, क्योंकि उन लंबित मामलों में कई महीनो तक समन और वारंट तामील नहीं हो पाते थे। अपराधिक मामले कई वर्षों तक लंबित बने रहते थे। संबंधित पक्षकारों को सूचना नहीं हो पाने के कारण अदालतों को मुकदमे में तारीख पर तारीख देना पड़ती थी। जिसके कारण अपराधी दंड पाने से कई वर्षों तक बचे रहते थे। वहीं न्यायालय से जारी समन की तामीली नहीं होने के कारण कई महीनो तक मामलों में सुनवाई नहीं हो पाती थी। मध्य प्रदेश में शुरु की गई इस नई व्यवस्था के परिणाम कई महीनो बाद देखने को मिलेंगे। नई प्रक्रिया अपनाने के बाद मुकदमों का निस्तारण तेजी से हो पता है, या नहीं, इसको लेकर अभी भी आशंका बनी हुई है। बहुत सारे मामलों में अभी बहुत बड़ी आबादी के पास मोबाइल फोन और इंटरनेट की सुविधा नहीं है। ऐसी स्थिति में न्यायालय कौन सा रुख अखतियार करती है यह देखने वाली बात होगी। आपराधिक मामलों में बड़ी संख्या में ऐसे अपराधी हैं, जिनके पास मोबाइल फोन नहीं होते हैं। ऐसी स्थिति में तामीली का विकल्प क्या होगा। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही हैं। बहरहाल जो नई व्यवस्था शुरू की गई है, उससे यह माना जा रहा है, अदालतों में मुकदमों का निराकरण जल्द से जल्द होगा। लगभग 50 फीसदी से अधिक मामलों में न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी। अन्य राज्यों में भी यह व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की जा रही है। मध्य प्रदेश सरकार और न्यायपालिका ने इसे सबसे पहले लागू करके यह बता दिया है। पक्षकारों को जल्द से जल्द न्याय मिले। इस नई व्यवस्था को लागू कर मध्य प्रदेश ने देशभर में अपना विशिष्ट स्थान बना लिया है। वहीं न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी जाता दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छह माह की चुनौतियों के बाद रिलायंस ने फिर पकड़ी वृद्धि की राह : ब्रोकरेज कंपनियां

- कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिए

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) छह महीने की चुनौतियों के बाद एक बार फिर वृद्धि के पथ पर लौट आई है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिए हैं। एक ब्रोकरेज कंपनियों ने यह बात कही है। कच्चे तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र में कार्यरत समूह ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपनी सबसे ऊंची 43,800 करोड़ रुपये की कर-पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) दर्ज की है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि समूह ने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन किया है। मुख्य रूप से कंपनी ने तेल-से-रसायन (ओ2सी) क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा कंपनी के उपभोक्ता खुदरा कारोबार में भी सुधार हुआ है। कंपनी विनाइल, पॉलिएस्टर श्रृंखला और ईथेन आयात लॉजिस्टिक्स में निवेश के साथ घरेलू बाजार पर केंद्रित अपनी रसायन क्षमता का विस्तार करना चाहती है। एक रिसर्च कंपनी ने कहा कि उसे 2025 में समूह के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए कई उत्प्रेरक दिख रहे हैं। इसमें खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नई ऊर्जा की शुरुआत और डिजिटल कारोबार में नई गति शामिल है। इसने कहा कि हमारा मानना है कि तीसरी तिमाही का नतीजा उम्मीदों के अनुरूप रहा है। यह निकट अवधि में उम्मीद से थोड़ा कमतर नतीजों में आखिरी है। अब हमारा मानना है कि खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नए ऊर्जा कारोबार की शुरुआत और डिजिटल कारोबार की रफ्तार समूह के लिए उत्प्रेरक साबित होंगे।

अगर आपको भी है गेमिंग ऐप की लत तो हो जाएं सावधान

धोखाधड़ी के मामलों में लगभग 7 लाख रुपये की राशि बरामद की गई

जम्मू । जम्मू के साइबर सेल डी.पी.ओ. ने ऑनलाइन और ऑफलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों के खिलाफ लड़ाई में नए कदम उठाए हैं। उनकी टीम ने लगातार काम करके आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया है। इस समय साइबर सेल ने कई मामलों को सुलझाते हुए धोखाधड़ी से बरामद की गई राशि का आंकलन किया है। इन मामलों में लगभग 7 लाख रुपये की राशि बरामद की गई है। शिकायतकर्ताओं ने टेलीग्राम पर ट्रेडिंग और नकली गेमिंग एप के माध्यम से धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज की थी। साइबर सेल जम्मू के एक प्रतिनिधि ने बताया कि वे उन्हें किस तरह कर्मचारियों और तकनीकी उपकरणों के माध्यम से धोखाधड़ी के मामलों में सफलतापूर्वक इन्वेस्टिगेशन करने में मदद मिल रही है। जम्मू साइबर सेल ने धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई है और धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों में कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार साइबर सैल ने एक बार फिर अलग-अलग साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 6,90,460 की राशि सफलतापूर्वक बरामद की है। उक्त राशि ऑनलाइन ट्रेडिंग और इनवैस्ट के बारे में अलग-अलग रणनीति अपनाकर लोगों को धोखा देकर इकट्ठी की गई थी। बता दें कि 2 शिकायतों में शिकायतकर्ताओं ने टेलीग्राम पर ट्रेडिंग में इनवेस्ट किया था और अन्य शिकायतों में शिकायतकर्ताओं ने एक नकली गेमिंग एप (एविएटर) के माध्यम से पैसे गंवाए थे।

विदेशी निवेशकों ने जनवरी में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 44,396 करोड़ निकाले

दिसंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था

नई दिल्ली । डॉलर मजबूत होने, अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने और कंपनियों के तिमाही नतीजे कमजोर रहने की आशंका से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजार से 44,396 करोड़ रुपये की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये डाले थे। घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर तमाम तरह की अड़चनों की वजह से विदेशी निवेशकों के रुख में बदलाव हुआ है। बाजार के एक विशेषज्ञ ने कहा कि भारतीय रुपये में लगातार गिरावट ने विदेशी निवेशकों पर काफी दबाव डाला है। यही वजह है कि वे भारतीय बाजार से अपना निवेश निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हाल की गिरावट के बावजूद भारतीय शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन, कमजोर तिमाही नतीजों की संभावना, आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को लेकर अनिश्चितता निवेशकों को प्रभावित कर रही है।

आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 17 जनवरी तक भारतीय शेयरों से 44,396 करोड़ रुपये निकाले हैं। दो जनवरी को छोड़कर इस महीने के सभी दिन एफपीआई बिकवाल रहे हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के एक मुख्य निवेश रणनीतिकार ने कहा कि एफपीआई की लगातार बिकवाली की मुख्य वजह डॉलर की मजबूती और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना है। डॉलर सूचकांक 109 से ऊपर है और 10 साल के अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल 4.6 प्रतिशत से ज्यादा है। ऐसे में एफपीआई का उभरते बाजारों में बिकवाली करना तर्कसंगत है, खासकर सबसे महंगे उभरते बाजार भारत में।

हेल्थ इंश्योरेंस कितना जरूरी, जानिए इसकी महत्वपूर्णता

- अरबों रुपये के मालिक भी हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ उठाते हैं

मुंबई । बॉलीवुड के प्रमुख अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हाल हमले के बाद उनकी स्थिति अभी स्टेबिल है। हमले के बाद सैफ अली खान ने तत्काल इंश्योरेंस कवर की जरूरत महसूस की और इंश्योरेंस कंपनी से 36 लाख रुपये का दावा किया। हालांकि, कंपनी ने उन्हें केवल 25 लाख रुपये की मंजूरी दी है। सैफ अली खान की इस घटना से यह साफ हो जाता है कि हेल्थ इंश्योरेंस कितना आवश्यक है। अरबों रुपये के मालिक भी हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ उठाते हैं तो आम लोग क्यों न करें? हेल्थ इंश्योरेंस एक सुरक्षा पुस्तिका है जो आपकी सेहत की आमदनी को सुनिश्चित करती है। अस्पताल में भर्ती होने पर बिल का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन हेल्थ इंश्योरेंस इस बोझ से आपको मुक्ति दिलाता है। हेल्थ इंश्योरेंस किसतना कवर चाहिए, यह आपकी उम्र और परिवार के सदस्यों पर निर्भर करता है। फैमिली फ्लोटर प्लान जैसे योजनाएं परिवार के सभी सदस्यों का कवर करने में मदद कर सकती है। हेल्थ इंश्योरेंस की कई निजी और सरकारी कंपनियां हैं जो इस सुरक्षा का संदेश फैला रही हैं।

देश की पहली सोलर कार लॉन्च, सिर्फ 80 पैसे में 1 किमी दौड़ेगी

- कीमत 3.25 लाख रुपए

नई दिल्ली । भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में नए इनोवेशन की ओर बड़े कदम बढ़ रहे हैं। हाल ही में पुणे की बेस्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल स्टार्ट-अप कंपनी वेव मोबिलिटी ने देश की पहली सोलर पावर्ड कार वायवे ईवा को लॉन्च किया है। यह कार केवल 3.25 लाख रुपए में उपलब्ध है और कंपनी का दावा है कि यह 250 किमी की ड्राइविंग रेंज के सिंगल चार्ज पर प्रदर्शन कर सकती है। वायवे ईवा का डिजाइन भी विशेष है, जिसमें सोलर पैनल को सनरूफ पर इस्तेमाल किया गया है। कार में अंदर कंफर्ट और एंटरटेनमेंट के लिए एसी, एपल कारप्ले, और एंड्रॉयड ऑटो कनेक्टिविटी सिस्टम भी शामिल हैं। इसकी टॉप स्पीड 70 प्रति किमी है और फुल चार्ज होने में सिर्फ 45 मिनट लगते हैं। पर्यावरण को देखते हुए सोलर पावरड व्हीकल्स का उपयोग करने में यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में सोलर कारों की एंट्री से मोटर व्यावसाय में गहरा तबदला देखने के अवसर हैं, जिससे न केवल इंडस्ट्री में विकास होगा बल्कि पर्यावरण की भी ध्यान में रखा जा सकेगा।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, एफपीआई के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- कच्चे तेल के दाम, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद की घोषणाओं और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। ट्रंप सोमवार को दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। सप्ताह के दौरान भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डॉ रेड्डीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक सहित कई बड़ी कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे घो षित करेंगी। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के बीच का संघर्ष भी बाजार की जटिलता को और बढ़ा रहा है। बाजार के एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि जैसे-जैसे तिमाही नतीजों का सीजन आगे बढ़ेगा, निवेशकों का ध्यान आगामी केंद्रीय बजट पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो साल के लिए सरकार के आर्थिक और राजकोषीय रुख की रूपरेखा तैयार करेगा। बाजार प्रतिभागी नीतिगत उपायों, राजकोषीय आवंटन और विकास पहल पर बारीकी से नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर सभी की नजरें डोनाल्ड ट्रंप पर हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। एक बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि तीसरी तिमाही के लिए नतीजों का सिलसिला जारी है। ऐसे में घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। निवेशकों की नजरें कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा प्रबंधन की टिप्पणियों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद नीतिगत घोषणाएं वैश्विक स्तर पर बाजार धारणा को काफी प्रभावित करेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि आगे हम उम्मीद करते हैं कि इस सप्ताह बाजार कई घरेलू और वैश्विक कारकों के कारण सतर्क रुख बनाए रखेगा।

सप्ताह के दौरान दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे आ रहे हैं, जिन पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद व्यापार शुल्कों की घोषणा और उसके वैश्विक व्यापार पर असर को लेकर सभी की नजरें रहेंगी।

इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ

मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे। इन 5 कंपनियों में 4 एसएमई सेगमेंट और 1 मेनबोर्ड आईपीओ शामिल है। मेनबोर्ड में इस हफ्ते डेंटा वाटर का आईपीओ खुल रहा है। यह मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 279 रुपए से 290 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। इस आईपीओ के लिए 50 शेयरों का एक लॉट बनाया गया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 14,700 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें कंपनी ग्रे मार्केट में 110 रुपए के जीएमपी पर ट्रेड कर रही है। कंपनी के आईपीओ का साइज 169.37 करोड़ रुपए का है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 32.20 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं 32.20 लाख शेयर ऑफर फाल सेल के तहत जारी किए जाएंगे। कंपनी के आईपीओ का 20 जनवरी को खुल रहा है। आईपीओ पर निवेशकों के पास 22 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 250 रुपए से 263 रुपए तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी 110 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। कंपनी का आईपीओ 22 जनवरी को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 24 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 145 रुपए है। कंपनी ने 1000 शेयरों का लॉट बनाया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 145000 रुपए का दांव लगाना होगा। आईपीओ 23 जनवरी को खुल जाएगा। निवेशक 27 जनवरी तक दांव लगा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 235 रुपए से 250 रुपए प्रति शेयर तय किया है। वहीं लॉट साइज 600 शेयरों का है। निवेशकों को एक साल 1.50 लाख रुपए का निवेश करना होगा। यह एसएमई आईपीओ 24 जनवरी को खुलेगा। निवेशक 28 जनवरी तक आईपीओ पर दांव लगा पाएंगे। कंपनी ने अभी प्राइस बैंड की घोषणा नहीं की है। आईपीओ के जरिए 24.58 लाख शेयर जारी किए जा सकते हैं।

दावोस में दिखेगी भारत की विविधता में एकता की झलक

दावोस । विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की शुरुआती बैठक में भारत ने 'विविधता में एकता' का संदेश दिखाया। सोमवार से पांच दिन तक चलने वाली इस महामहिम सभा में भारत ने अपना सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भेजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की सफलता को दुनिया के सबसे अमीर और ताकतवर नेताओं को दिखाने का भारत का मिशन है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में पांच केंद्रीय मंत्रियों के साथ तीन मुख्यमंत्री, करीब 100 सीईओ, सरकारी अधिकारी और कला-संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का समावेश है। भारत के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे। बैठक में महाराष्ट्र ने 7 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने का लक्ष्य रखा है। तेलंगाना और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी निवेश के अपने हिस्से की तलाश की है। इस महामहिम सभा के माध्यम से भारत अपनी मजबूत वृद्धि दर्ज करने का मिशन ले रहा है, जब दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों के सर्वे अनुसार 2025 में वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बारे में कमजोर होने की चिंता है। हालांकि, भारत ने अपने रफ्तार को बनाए रखने की पहल रखी है। इस संगठन के सभी दिग्गज नेता, उन्होंने अपने देशों की बढ़ती वृद्धि दर का हर एक मौका सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी ली है।

आठ शहरों में घरों की बिक्री में 26 फीसदी की गिरावट: रिपोर्ट

- बिक्री में गिरावट महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव और संपत्ति की बढ़ी हुई कीमतों से आई

मुंबई ।

मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु समेत देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। बताया जा रहा है कि बिक्री में गिरावट महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव और संपत्ति की बढ़ी हुई कीमतों की वजह से आई है। एक रियल एस्टेट परामर्श मंच की हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस विश्लेषण में शामिल आठ में से तीन शहर महाराष्ट्र और हरियाणा में स्थित हैं जहां पर बीती तिमाही में विधानसभा के चुनाव हुए। हालांकि दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सालाना आधार पर बाकी सभी सात शहरों शहरों में घरों की बिक्री में गिरावट आई है। दिल्ली-एनसीआर में दिसंबर तिमाही में घरों की बिक्री 50 प्रतिशत बढ़कर 9,808 इकाई रही जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 6,528 था। बीते वर्ष की चौथी तिमाही में नई परियोजनाएं पेश करने में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। आठ में से पांच शहरों में पिछली तिमाही के दौरान पेश नई परियोजनाओं की संख्या घटी है। संपत्तियों की खरीद-बिक्री या किराये पर लेन-देन की जानकारी देने वाले मंच के एक अे धिकारी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर में त्योहारों के दौरान बिक्री में तिमाही आधार पर वृद्धि हुई। इसके बाद भी अधिकांश क्षेत्रों में बिक्री और नई पेशकश में पिछले साल के मुकाबले गिरावट देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्षेत्र (एमएमआर) में सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 33,617 घरों की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 48,553 घरों की बिक्री हुई थी। पुणे में इस दौरान 31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,240 घरों की बिक्री हुई। वहीं बेंगलुरु में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13,236 घरों की बिक्री हुई, हैदराबाद में 36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13,179 घरों की बिक्री हुई और चेन्नई में पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,073 घरों की बिक्री हुई।

बाजारों में ब्रांडेड खाद्य तेलों में मिलावट

▸▸ धड़ल्ले से बिक रहा है मिलावटी खाद्य तेल

▸▸ बड़ी-बड़ी कंपनियां कर रही हैं करोड़ों की कमाई

मुंबई ।

नामी गिरामी ब्रांडेड कंपनियां खाद्य तेलों में मिलावट करके खुलेआम मिलावटी तेल बेच रही हैं। खाद्य तेलों में बड़े पैमाने पर ब्रान आयल मिलाया जा रहा है। इसे उपभोक्ताओं को महंगे दामों में बेचा जा रहा है। धान की भूसी का तेल सबसे ज्यादा खाद्य तेल में मिलाकर, ब्रांडेड कंपनियों ब्रांड के नाम से महंगे दामों पर बेच रही हैं।

सरसों, सोयाबीन और मूंगफली के तेल से ब्रान ऑयल 40 से लेकर 60 रुपए प्रति लीटर तक सस्ता होता है। सरकार ने ब्लेंडिंग कानून में बड़ी कंपनियों के लिए बदलाव कर दिए हैं। इसका फायदा बड़ी-बड़ी कंपनियां उठा रही हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां अंग्रेजी में लेवल छपवाती हैं। उसमें बहुत छोटे अक्षरों में मल्टी सोर्स आयल लिखा रहता है।

जो उपभोक्ता ब्रांडेड सोयाबीन, सरसों और मूंगफली का तेल खरीदता है। उसे मालूम ही नहीं होता है, वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। वह भी महंगे दामों पर खरीद रहा है।

केंद्र सरकार ने 3 फरवरी 2023 को तेल के ब्लेंडिंग कानून में बदलाव किए हैं। नए बदलाव के अनुसार अब कंपनियों को 20 फीसदी तक दूसरे तेल की मिलावट करने की अनुमति दी गई है। ब्रांडेड कंपनियों द्वारा जो सरसों, मूंगफली और सोयाबीन का तेल बेचा जा रहा है। उसमें सबसे सस्ता धान की भूसी का तेल मिलाया जा रहा है। इससे ब्रांडेड कंपनियों को बड़ी कमाई हो रही हैं। वहीं उपभोक्ताओं को खुले आम बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा लूटा जा रहा है। उपभोक्ता को पता नही होता है। वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। बड़ी कंपनियां अपने फायदे के लिए सरकार के नियमों में परिवर्तन कराकर करोड़ों रुपए कमा रही हैं। अन ब्रांडेड तेल बेचने वालों के लिए मिलावट के अलग कानून हैं। सरकार ने ब्रांडेड कंपनियों के लिए अलग कानून बना दिया है। ब्रांडेड कंपनियां तेल में किस तेल की कितनी मिलावट कर रही हैं। इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को नहीं देती है। उनके लेवल भी अंग्रेजी भाषा में होते हैं। मल्टी सोर्स ऑयल भी बहुत छोटे अक्षरों में लिखा रहता है। यह लूट पिछले कुछ समय से बढ़ती ही चली जा रही है। सरकार इस लूट पर आंख बंद करके बैठी हुई है।

सेंसेक्स की प्रमुख छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.71 लाख करोड़ घटा

सबसे ज्यादा नुकसान इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.71 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान सूचना प्रौद्योगिकी आईटी क्षेत्र की कंपनियों इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 1,71,680.42 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 62,948.4 करोड़ रुपये घटकर 7,53,678.38 करोड़ रुपये रहा गया।

सबसे अधिक नुकसान इन्फोसिस को ही हुआ। तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद मुनाफावसूली के बीच शुक्रवार को इन्फोसिस के शेयर में करीब प्रतिशत की गिरावट आई। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 50,598.95 करोड़ रुपये घटकर 14,92,714.37 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 20,605.92 करोड़ रुपये घटकर 5,53,152.52 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 16,005.84 करोड़ रुपये घटकर 8,65,495.17 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 15,640.8 करोड़ रुपये घटकर 12,51,799.81 करोड़ रुपये और आईटीसी के मूल्यांकन में 5,880.51 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,50,702.93 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के `` विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 79,773.34 करोड़ रुपये बढ़कर 17,60,967.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 18,697.08 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,930.22 करोड़ रुपये, एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 9,993.5 करोड़ रुपये बढ़कर 5,40,724.05 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 7,080.98 करोड़ रुपये बढ़कर 9,27,014.97 करोड़ रुपये हो गया।

आम बजट में आरएंडडी के प्रोत्साहन के लिए नई योजना की घोषणा

नई योजना से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा

नई दिल्ली ।

आम बजट 2025-26 में भारत में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन पीएलआई) योजना की घोषणा की गई है। इस नई योजना के माध्यम से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा, जिससे देश को नवोन्मेषण का वैश्विक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। पीएलआई योजना के बारे में बात करते हुए डेलायट इंडिया के एक भागीदार ने इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी नीति पर काम कर रही है जिसमें कर रियायतें कम हों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजनाएं हों, जो निवेश और रोजगार को बढ़ावा दें। हमें भारत को अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है और यदि ऐसी नीति हो सकती है जो इसे प्रोत्साहित करे, जैसे कि विदेशी कंपनियों को शामिल करने वाली पीएलआई योजना, तो यह देश के लिए बड़ा कदम होगा। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट संसद में एक फरवरी को पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नयी योजना में विदेशी कंपनियों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ हो सकती हैं, जो देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा दें। भारत

एक सेवा आधारित अर्थव्यवस्था है और अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है। सरकार की इस नई योजना से आर्थिक उत्थान को लेकर नए किरदार की उम्मीदें हैं और देश को नए दिशानिर्देश में ले जाने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घरेलू क्रिकेट को कोई हल्के में नहीं लेता : रोहित

मुम्बई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में खेलने तैयार हूं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह मुम्बई की ओर से रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया है। वहीं रोहित ने कहा कि कोई भी खिलाड़ी घरेलू प्रतियोगिता को हल्के में नहीं लेता है पर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के व्यस्त कार्यक्रम के कारण ही खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेल पाते हैं।रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण 23 जनवरी से शुरू हो रहा है। इसमें मुंबई की टीम जम्मू-कश्मीर का मुकाबला करेगी। हाल के दिनों में खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना झेल रहे रोहित ने कहा कि

पिछले 6 से 7 साल से अगर आप हमारे कैलेंडर को देखें तो ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम 45 दिनों तक घर बैठे रहे हो। ऐसा तभी होता है जब आईपीएल समाप्त होने के तत्काल बाद कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होता है। भारतीय कप्तान ने कहा कि हमारा घरेलू सत्र अक्टूबर में शुरू होता है और मार्च तक चलता है। वहीं जो खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के लिए सभी प्रारूप नहीं खेल रहे होते हैं तो वह घरेलू क्रिकेट में खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपनी बात करूं तो मैंने 2019 से नियमित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेलना शुरू किया दिया है। ऐसे में आपको मुश्किल से ही समय मिलता है।

जब आप नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, तो आपको तरोताजा होने के लिए समय की जरूरत होती है। ऐसा नहीं है कि कोई घरेलू क्रिकेट को हल्के में ले रहा है। उन्होंने टेस्ट में अपनी पिछली 15 पारियों में केवल एक अर्धशतक बनाने के बाद भी इस प्रारूप से संन्यास लेने से मना कर दिया है। रोहित हाल के ऑस्ट्रेलिया दौर में असफल रहे थे और 5 पारियों में सिर्फ 31 रन ही बना सके थे। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेल सीरीज में भी वह बड़ा स्कोर नहीं बना पाये थे।

बोपन्ना-शुआई की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

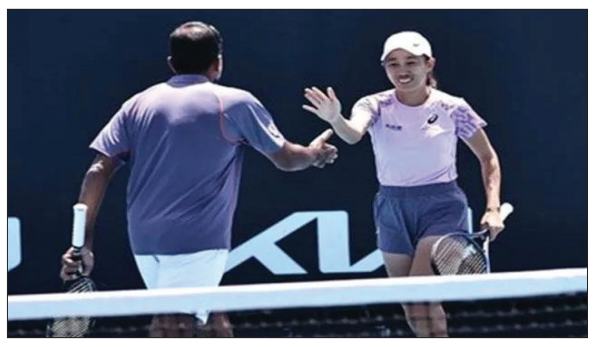

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेलबर्न - अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और चीन की उनकी जोड़ीदार झांग शुआई ने रविवार को यहां दूसरे दौर के मैच में वॉकओवर मिलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

बोपन्ना और शुआई का मुकाबला अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और मोनाको के ह्यूगो निस से था, लेकिन यह चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी खेलने के लिए नहीं उतरी। इससे भारतीय-चीनी जोड़ी कोर्ट पर उतरे बिना ही अंतिम आठ में पहुंच गई। बोपन्ना और शुआई का अगला मुकाबला हंगरी की टिमिया बाबोस और अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवलो तथा ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

बोपन्ना और शुआई की जोड़ी ने इससे पहले अपने शुरुआती मैच में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और क्रोएशिया के इवान डोडिक को 6-4, 6-4 से हराया था।

आईपीएल 2025: लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी संभाल सकते हैं ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 संस्करण से पहले संजिका गोयनका के स्वामित्व वाली लखनऊ सुपर जायंट्स का कप्तान बनाया जा सकता है। दाएं हाथ के बल्लेबाज केएल राहुल को आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले लखनऊ फ्रैंचाइजी ने रिटेन नहीं किया जबकि उन्होंने कैश-रिच लीग के अपने पहले दो संस्करणों में टीम को प्लेऑफ में पहुंचाया था। राहुल को रिटेन न करने के बाद LSG टीम के पास पंत और श्रेयस अय्यर के बीच भूमिका के लिए चयन करने के लिए दो विकल्प थे इसलिए फ्रैंचाइजी और प्रबंधन ने पूर्व के साथ जाने का विकल्प चुना।

पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए जिन्हें जेद्दा में आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा। LSG फ्रैंचाइजी इस टूर्नामेंट में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बाद दूसरी टीम होगी। उन्होंने हमवतन श्रेयस अय्यर को हराया, जो कुछ मिनट पहले ही पंजाब किंग्स द्वारा 26.75 करोड़ रुपए में खरीदे गए लीग के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क को पछाड़ा जिन्होंने 24.75 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड तोड़ बोली के साथ वर्षों बाद आईपीएल में वापसी की थी।

शुरू में रूस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच बोली लगाने की जंग हुई, जिसमें बाद में हार मान ली गई। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने विस्फोटक बल्लेबाजी आक्रमण को मजबूत करने की कोशिश में बोली लगाने की जंग में प्रवेश किया और DC ने 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन वे पंत के लिए LSG द्वारा लगाई गई कीमत से मेल नहीं खा सके और वे अय्यर से भी आगे निकल गए।

पंत ने 2016 से अपने पूरे आईपीएल करियर में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 110 मैचों में 35.31 की औसत से 3,284 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्हें 2021 में टीम का कप्तान नियुक्त किया गया और उन्होंने उसी सीजन में उन्हें प्लेऑफ में पहुंचाया। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले LSG ने अनकैप्ड स्टार मोहसिन खान और आयुष बदोनी के साथ निकोलस पूरन, मयंक यादव और रवि बिश्नोई को रिटेन किया। लखनऊ स्थित फ्रैंचाइजी ने 14 में से सात मैच जीतकर 14 अंकों के साथ स्टैंडिंग में 7वें स्थान पर अपना आईपीएल 2024 का सफर समाप्त किया।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-19 टी-20 विश्वकप में वेस्टइंडीज को हराया

क्वालालंपुर (एजेंसी)। पारूनिका सिसोदिया (तीन विकेट), आयुषी शुक्ला और वीजे जोशिता (दो-दो) विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद सनिका चलके (नाबाद 18) और जी कामिलीनी (नाबाद16) शानदार पारियों की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को अंडर-19 टी-20 विश्वकप में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हरा दिया हैं।

आज यहां भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सकी। भारतीय गेंदबाजों ने महज 13.2 ओवर में वेस्टइंडीज की टीम को 44 के स्कोर पर समेट दिया। वेस्टइंडीज की ओर से असाबी कॉलेंडर (12) और केनिका कसार (15) के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।

भारत की ओर से तेज गेंदबाज वीजे जोशिता ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके जबकि बाएं हाथ की स्पिन जोड़ी आयुषी शुक्ला और पारुनिका सिसोदिया ने लगातार दो ओवर के अंतराल पर दो विकेट झटकर 5.1 ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर 17 पर चार विकेट कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ियों को रनआउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जी तृषा (चार) का विकेट गवांने के बाद जी कमालिनी (नाबाद 16) और सनिका चलके(नाबाद 16) ने मिलकर पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर 47 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। वेस्टइंडीज की ओर से जी क्लैसटन को एकमात्र विकेट मिला।

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन फिर मुश्किलों में, गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका । ढाका की एक अदालत ने रविवार को बांग्लादेश के ऑलराउंडर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के खिलाफ दो बैंक चेक बाउंस होने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पिछले साल नागरिक अशांति के कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ा था, जिसके बाद से शाकिब अपनी जान को खतरा होने के डर से बांग्लादेश नहीं लौटे हैं। अदालत के एक अधिकारी ने बताया, 'अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जियादुर रहमान ने गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए पुलिस से 24 मार्च को आदेश के क्रियान्वयन पर रिपोर्ट पेश करने को कहा है।' उन्होंने कहा कि वारंट इसलिए जारी किया गया क्योंकि हसन जो एक कृषि फार्म के अध्यक्ष भी हैं, चेक बाउंस होने से संबंधित एक मामले में पहले दिए गए आदेश के अनुसार अदालत में पेश नहीं हुए। फार्म के प्रबंध निदेशक गाजी शाहगीर हुसैन के खिलाफ भी इसी तरह का एक और वारंट जारी किया गया क्योंकि उन्होंने भी समन का जवाब नहीं दिया। इंटरनेशनल फाइनेंस इन्वेस्टमेंट एंड कॉमर्स (आईएफआईसी) बैंक ने क्रिकेटर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आईएफआईसी बैंक ने पिछले साल अक्टूबर में चेक बाउंस होने के मामले में कानूनी नोटिस जारी किया था। इसके बाद 24 दिसंबर को क्रिकेटर से व्यवसायी बने और उनकी कंपनी के तीन अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। फार्म के दो अधिकारियों ने आज अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया और जमानत की गुहार लगाई जिसे अदालत ने सुनवाई के बाद मंजूर कर लिया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब ने 2016 में दक्षिण-पश्चिमी सतखीरा में शाकिब अल हसन एग्रो फार्म नाम से एक केकड़ा फार्म स्थापित किया था। कंपनी कथित तौर पर 2021 से निष्क्रिय है।

श्रीलंका दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, बड़े खिलाड़ी को कोहनी में लगी चोट

नई दिल्ली - श्रीलंका के टेस्ट दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ की कोहनी में चोट लग गई है, लेकिन उनके इस सप्ताह के अंत में दुबई में प्री-टूर कैंप में शामिल होने की उम्मीद है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। सीए ने कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते समय अपने अंगूठे में हुए फ्रैक्चर की सर्जरी से उबर रहे हैं जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस के बाएं टखने के दर्द की रिकवरी पर विशेषज्ञ की सलाह के बाद निगरानी जारी रहेगी। स्मिथ को शुक्रवार को बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए फील्डिंग करते समय दाहिनी कोहनी में चोट लग गई जिसके कारण सिडनी थंडर के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। कुहनेमन के बारे में सीए ने कहा कि वह तब तक ऑस्ट्रेलिया में रहेंगे जब तक उनके फ्रैक्चर वाले अंगूठे पर सर्जरी का घाव ठीक नहीं हो जाता। सीए ने कहा, 'अगर वह अच्छी प्रगति करते रहे तो श्रीलंका में टीम में शामिल होने के उद्देश्य से वह इस सप्ताह गेंदबाजी फिर से शुरू करने की योजना बना रहे हैं।'

इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलें विराट कोहली : संजय मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने विराट कोहली से कहा है कि वह इंग्लैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले फॉर्म हासिल करने के लिए काउंटी क्रिकेट खेलें। मांजरेकर ने कहा कि इससे विराट वहां के हालातों से भी बेहतर तरीके से तालमेल बैठा सकेंगे। विराट पिछले कुछ समय से फार्म से बाहर हैं। वह न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रन बनाने में असफल रहे थे। ऐसे में अब उनका लक्ष्य अपना प्रदर्शन बेहतर करना रहेगा। मांजरेकर ने कहा कि कोहली को टेस्ट शुरू होने से पहले इंग्लैड में लाल गेंद क्रिकेट में कुछ अभ्यास हासिल करना चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि कोहली को काफी लाल गेंद क्रिकेट खेलना चाहिये। भारतीय टीम जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। पहला टेस्ट जून में होगा, जबकि काउंटी चैंपियनशिप अप्रैल में शुरू होगी। ऐसे में वह पुजारा की तरह काउंटी टीम में शामिल हो सकते हैं और मैच अभ्यास हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम शुरुआती टेस्ट मैचों में उनके प्रदर्शन की समीक्षा कर सकती है। यदि सकारात्मक संकेत हैं, तो वह जारी रख सकते हैं। प्रशंसक चाहते हैं कि विराट वहां जाकर संघर्ष न करें, जैसा कि हमने पहले देखा है। यह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं होगा। ऐसे में काउंटी क्रिकेट खेलना उनके लिए सबसे बेहतर रहेगा। वहीं पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी संजय बांगड़ ने कहा कि कोहली अपनी बेहतरीन फिटनेस के बल पर एक बार फिर शानदार वापसी करेंगे।

पाक ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट में 127 रनों से हराया

-1-0 की बढ़त हासिल की

मुंबई (एजेंसी)। मुल्तान (ईएमएस)। पाकिस्तान ने वेस्ट इंडीज को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में 127 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पाक की जीत में स्पिनरों साजिद खान और अबरार अहमद के अलावा कप्तान शान मसूद की अहम भूमिका रही। मसूद ने जहां अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 52 रन बनाये। वहीं साजिद ने पांच विकेट जबकि अबरार ने चार विकेट लिए। इस प्रकार पाक टीम ने तीसरे ही दिन ये मैच जीत लिया।

इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 230 रन बनाए। इसके बाद पहली पारी में वेस्टइंडीज की टीम 137 रन पर आउट हो गई। इस प्रकार पहली पारी में पाकिस्तान को 93 रन की बढ़त मिली। वहीं पाकिस्तान ने दूसरी पारी में 157 रन बनाए और टीम की कुल बढ़त 250 रन की हो गई। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए 251 रन का टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम दूसरी पारी में 123 रन पर आउट हो गई और उसे हार का सामना करना पड़ा।

वेस्टइंडीज की ओर से केवल ऐलेक ऐथनेज ही 55 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये। टीम के केवल पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। पाक की ओर से साजिद ने 50 रन देकर पांच विकेट लिए। वहं अबरार ने 27 रन देकर चार विकेट झटके। नोमान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले जोमेल वारिकन के 32 रन देकर सात विकेट की सहायता से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को दूसरी पारी में 157 पर ही आउट कर दिया। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए 251 रनों का लक्ष्य मिला था।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर की दादी और मामा सड़क हादसे का शिकार, मौके पर तोड़ा दम

स्पोर्ट्स डेस्क । अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खिलाड़ी मनु भाकर की दादी और मामा की रविवार 19 जनवरी को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना रविवार सुबह करीब 9 बजे महेंद्रगढ़ बाईपास रोड पर एक स्कूटर और ब्रेजा कार की टक्कर के कारण हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनु भाकर की दादी और चाचा की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। अभी दो दिन पहले ही मनु भाकर को राष्ट्रपति से खेल रत्न पुरस्कार मिला था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। शहर थाना प्रभारी और पुलिस मामले की जांच कर रही है। गौर हो कि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर को शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित किया गया। भाकर स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक ओलंपिक में दो पदक जीते हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में यह कमाल किया था।

रवींद्र जडेजा ने अभ्यास सत्र में लिया हिस्सा, दिल्ली के खिलाफ में खेल सकते हैं रणजी ट्रॉफी मैच

स्पोर्ट्स डेस्क । अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा राजकोट में टीम के अभ्यास सत्र में शामिल होने के बाद दिल्ली के खिलाफ आगामी रणजी ट्रॉफी मैच में सौराष्ट्र के लिए खेल सकते हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जडेजा रविवार की सुबह सौराष्ट्र के नेट सत्र में थे और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली टीम के साथ प्रशिक्षण ले रहे थे। जडेजा को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में चुना गया था। जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए आखिरी रणजी ट्रॉफी मैच जनवरी 2023 में तमिलनाडु के खिलाफ घुटने की चोट के बाद वापसी करते हुए खेला था और 8 विकेट लिए थे। उन्होंने हाल ही में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पांच में से तीन टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके तुरंत बाद बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट में भागीदारी को अनिवार्य बनाने के लिए 10-सूत्रीय नीति दस्तावेज पेश किया और कहा कि गैर-अनुपालन अंतरराष्ट्रीय चयन और केंद्रीय अनुबंध नवीनीकरण को प्रभावित कर सकता है। 11 अंकों के साथ एलीट ग्रुप डी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर काबिज सौराष्ट्र 23 जनवरी को निरंजन शाह स्टेडियम में चौथे स्थान पर काबिज दिल्ली से भिड़ने के साथ अपने रणजी ट्रॉफी अभियान को फिर से शुरू करेगा जिसके 14 अंक हैं। जडेजा के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत राजकोट में दिल्ली के लिए खेलेंगे जबकि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के एमसीए मैदान पर जम्मू और कश्मीर के खिलाफ अपने मैच में मुंबई के लिए खेलेंगे। वनडे उप-कप्तान शुभमन गिल के कर्नाटक के खिलाफ अपने मैच में पंजाब के लिए खेलने की उम्मीद है। कोहनी की चोट के कारण केएल राहुल के घरेलू क्रिकेट खेलने की संभावना नहीं है। वहीं गर्दन में मोच के कारण विराट कोहली को शेष रणजी ट्रॉफी मैचों के लिए दिल्ली की टीम में भी शामिल नहीं किया गया है।

भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा एथलेटिक्स : फराह

मुंबई । दिग्गज एथलीट मो फराह ने कहा है कि भारत में अन्य खेलों के साथ ही एथलेटिक्स भी अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि अधिक से अधिक युवा इस क्षेत्र में आगे आ रहे है जो एक सकारात्मक बात है। युवा खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से एथलेटिक्स के क्षेत्र को बदल सकते हैं। फराह ने कहा है कि आजकल भारत में एथलेटिक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और युवाओं में इतनी क्षमता है कि वे इस क्षेत्र में बेतर प्रदर्शन कर सकते हैं क्योंकि उनमें काफी प्रतिभा है। फराह ने कहा कि जिस प्रकार भारत खेल में तेजी से आगे बढ़ रहा है वह सभी को प्रभावित कर रहा है। टाटा मुंबई मैराथन के 20वें सत्र के ब्रांड दूत बनने पर भारत आये फराह ने कहा, ''देश के विकास, युवा एथलीटों की प्रतिभा को देखना एक शानदार अनुभव है। आप अगर कड़ी मेहनत करें तो जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है और यही भारत में भी हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं कि भारत में एथलेटिक्स लगातार आगे बढ़ रहा है। यह हालांकि अभी नंबर एक पर नहीं पहुंचा है पर इसमे तेजी आ रही है। उन्होंने कहा, '' मुझे राष्ट्रमंडल खेलों और अन्य चैंपियनशिप के लिए भारत आना याद है। युवा एथलीटों को यहां प्रदर्शन कतरे देखना अच्छा सुखद अनुभव है।

अर्जुन पुरस्कार विजेता सुचा सिंह को अब भी पंजाब सरकार की अनदेखी का दर्द

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व एथलीट सुचा सिंह को जब लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) से नवाजा गया तो इसे मिलने की खुशी उनकी डबडबाई आंखों और रूंधी आवाज से महसूस की जा सकती थी लेकिन पंजाब सरकार की अनदेखी का दर्द अब भी उनकी जुबां पर आ ही जाता है। अर्जुन पुरस्कार दिए जाने की घोषणा के बाद पंजाब के 74 साल के सिंह की सारी नाराजगी दूर हो गई थी क्योंकि आखिर देश ने उनकी उपलब्धियों को सम्मानित किया।

अर्जुन पुरस्कार के लिए वह 10 साल तक फॉर्म भरते रहे और थककर उम्मीद छोड़ दी थी। सिंह ने कहा, 'अर्जुन पुरस्कार मिलने से पूरी जिंदगी की कड़ी मेहनत का फल मिल गया, देश के लिए पदक जीतने के लिए जीजान लगा दी थी लेकिन अपनी उपलब्धियों की अनदेखी किए जाने का गम था, जो अब इस पुरस्कार ने खत्म कर दिया।' यह बोलते हुए उनकी आंखे डबडबा गई।

उन्होंने अपने खेल के दिनों की बात याद करते हुए कहा, 'जब मैं 1965 में जंग के समय सेना में भर्ती हुआ था तो ट्रेनिंग के साथ साथ अपनी स्पर्धा का अभ्यास भी करता था। मैं कबड्डी और दौड़ने में काफी अच्छा था, पर सेना के कोच ने मुझे दौड़ पर ध्यान लगाने के लिए कहा। मेरे पास दौड़ने के जूते नहीं थे जो तब 400 रुपए में आते थे और मेरी तनख्वाह थी 150 रुपए।'

पंजाब सरकार से भी उन्हें वो सम्मान नहीं मिला जिसकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने कहा, 'पंजाब सरकार ने कभी भी उस तरह सम्मानित नहीं किया जैसे अन्य राज्य सरकार करती हैं, मुझे मेरी उपलब्धियों के लिए 100 रूपए का लिफाफा मिला था जबकि मैंने इस समारोह में शिरकत करने के लिए 800 रूपए जोड़े थे जिसमें से 200 रूपए तो दोस्तों ने ही जश्न मनाने में खत्म करवा दिए थे।'

अपने समय में खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'तब खिलाड़ियों के लिए इतनी सुविधायें नहीं होती थीं, कोई प्रायोजक नहीं होता था। दौड़ने के लिए कोई ट्रैक नहीं होता था, 1982 में जब नई दिल्ली में एशियाई खेलों की मेजबानी की गई तभी जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम बना था। मेरे पास दौड़ने के लिए जूते और ट्रैक सूट नहीं था। पहले इतने कोच और अभ्यास के लिए उपकरण नहीं होते थे। अब दौर ही बदल गया है। अब खिलाड़ियों की उपलब्धियों का पूरा सम्मान होता है।'

उन्हें देश के लिए 1972 म्यूनिख ओलंपिक में प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था लेकिन चोट के कारण वह इसमें हिस्सा नहीं ले सके और खेल के इस महासमर में खेलने का उनका सपना पूरा नहीं हो सका। देश को 1970 में बैंकाक में छठे एशियाई खेलों में चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत पदक दिलाने वाले सिंह अपने शुरूआती दिनों की बात करते हुए काफी उत्साह से भर जाते हैं कि किस जुनून और कड़ी मेहनत से वो देश को तमगा दिलाने में लगे रहते थे। आठ साल सेना में रहने के बाद वह 1973 में टाटा स्टील में जमशेदपुर चले गए जहां उनकी तनख्वाह 5000 रुपए हो गई।

सिंह ने कहा, 'खेलों में शानदार प्रदर्शन के बावजूद मुझे सेना में 'कमिशन' नहीं मिला था। हालांकि पदोन्नति पर सिर्फ पांच रूपए बढ़ते थे। फिर मैं जमशेदपुर चला गया और जब तक टाटा स्टील में रहा, उनका सर्वश्रेष्ठ एथलीट रहा।' उन्होंने इसी दौरान तेहरान में हुए 1974 में सातवें एशियाई खेलों में चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत पदक

और फिर अगले साल दक्षिण कोरिया के सोल में हुई दूसरी एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। सिंह हालांकि ओलंपिक में नहीं खेल पाए लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए वेटरंस टूर्नामेंट में भी हिस्सा लिया। इससे पहले वह अर्जुन पुरस्कार के लिए लगातार 10 साल तक फॉर्म भरते रहे लेकिन फिर बंद कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।

बुधवार को प्रातःकाल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें....

ऊं अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः।।

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

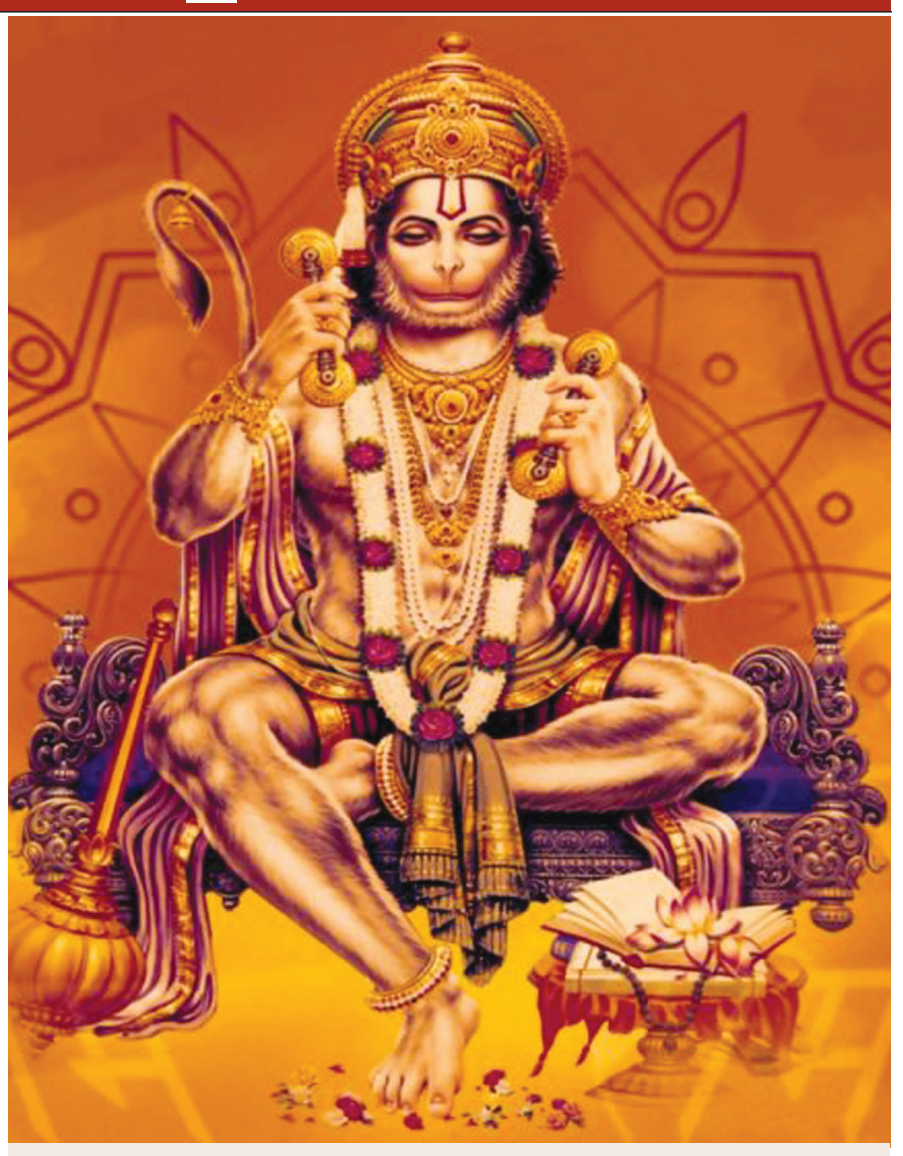

जैन मुनि को केश-लोचन करना अनिवार्य होता है

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

क्या आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

फलदायी होती हैं हनुमान चालीसा की ये चौपाइयां

हनुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की थी। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के लिए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित होने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और हनुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में वर्णित किया है। हनुमान चालीसा में मंत्र नहीं हैं लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गई हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 चौपाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का वाचन मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की त्रुटि न करें।

भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

उपाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप किया जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

उपाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

उपाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो नित्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

विद्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

उपाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। प्रतिदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

उपाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

पाप-कर्म और पुण्य-कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अतः उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अतः अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

गुप्त नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस मौके पर हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाईं। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाइवे पर छाया घना कोहरा, आपस में टकराए कई वाहन, मची चीख-पुकार

-वाहनों की लग गई लंबी लाईन, पुलिस ने क्रेन से हटवाए क्षतिग्रस्त वाहन

करनाल। हरियाणा के करनाल में नेशनल हाइवे पर कोहरे के कारण कई वाहन आपस में टकरा गए। हाइवे पर विजिबिलिटी काफी कम थी जिस वजह से यह घटना हुई। सूचना के बाद पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और क्रेन की मदद से वाहनों को साइड में किया। इसके बाद यातायात शुरु हो सका। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि कई वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक यह हादसा नेशनल हाइवे झंझाडी फ्लाईओवर पर हुआ। घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी काफी कम थी। इसी वजह से करनाल नेशनल हाइवे पर एक-एक कर 8 से 10 वाहन आपस में टकरा गए। इससे वाहनों में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर मदद की। इस घटना के बाद हाइवे पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। लोगों ने घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। पुलिस ने क्रेन की मदद से हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात बहाल करवाया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि कोहरा काफी घना था। इस दौरान सड़क पर आगे चल रहे वाहन का अचानक ब्रेक लगा, जिससे पीछे चल रहे वाहनों को संभलने का मौका नहीं मिला और कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हादसे में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

सीसीटीवी में कैद हुई शिक्षक और शिक्षिका की अश्लील हरकतें, दोनों निलंबित

-जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित, रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक स्कूल का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शिक्षक और शिक्षका अश्लील हरकतें करते दिख रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद दोनों को शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की टीम गठित की गई है। टीम की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि दोनों ही शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। दोनों अलग-अलग जगह उपस्थिति देने को कहा गया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार को गंगरार थाना क्षेत्र के एक गांव के स्कूल में शिक्षक और शिक्षिका का आपत्तिजनक हालत में वीडियो सामने आया था। ग्रामीणों के मुताबिक शिक्षक करीब 14 साल से उस स्कूल में कार्यरत है। शिक्षिका के साथ उसके संबंधों को लेकर लंबे समय से गांव में चर्चाएं हो रही थीं। स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के पदाधिकारी ने भी इस पर आपत्ति जताई थी। दोनों पर आरोप हैं कि शिक्षक ग्रामीणों को सरकारी काम में बाधा डालने की शिकायत पुलिस से करने की धमकी देता था। इस कारण ग्रामीण भी उसके खिलाफ शिकायत नहीं कर पाते थे। समझाइश के बाद भी संस्था प्रधान अपनी हरकत से बाज नहीं आया। ऐसे में ग्रामीणों ने स्कूल में सीसीटीवी कैमरे लगवाए, जिसमें दोनों की हरकत कैद हो गई। पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पुलिस से की। उन्होंने शिक्षक-शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से हटाने और मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की।

युवक की हत्या कर शव बोरे में भरकर कचरे में फेंका, इलाके में फैली सनसनी

पटना। पटना के बेगमपुर में नीतीश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर कचरे के ढेर में फेंक दिया। पुलिस को सूचना मिली की बेगमपुर पार पोखरा के नजदीक एक बोरे में शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान नीतीश कुमार के रूप में की। शुरुआती जांच में यह मामला गोली मारकर की हत्या करने का लग रहा है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राहुल गांधी पर लगातार हो रही एफआईआर, अब गुवाहाटी में दर्ज हुआ प्रकरण

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर एक के बाद एक एफआईआर हो रहीं हैं। अब नया मामला गुवाहाटी में दर्ज हुआ है। हाल ही में राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस द्वारा संस्थाओं पर कब्ज़ा करने के का आरोप लगाया था। इसी दौरान उनका यह इंडियन स्टेट वाला बयान भी सामने आया था। असम में इस वक्त हेमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली बीजेपी की सरकार है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा कुछ वक्त पहले अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास की तारीख को भारत की सच्ची आज़ादी के रूप में मनाए जाने की बात कही थी। इस पर रिएक्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि बीजेपी और आरएसएस ने हर एक संस्था पर कब्ज़ा कर लिया है और अब हम भाजपा, आरएसएस और इंडियन इस्टेट से ही ही लड़ रहे हैं। यह एफआईआर गुवाहाटी के पान बाज़ार पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 152 और 197(1)डी के तहत दर्ज की गई है। जिसका मतलब है भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्य करना यह एक गैर-जमानती अपराध है। राहुल गांधी द्वारा भारतीय राज्य के साथ लड़ाई का जिक्र करने के बाद भाजपा ने उन पर भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में काम करने का आरोप लगाया है। अपनी शिकायत में चेतिया ने लिखा है कि एक ऐसे व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक मंच पर दिया गया बयान जो वर्तमान में विपक्ष के नेता का पद संभाल रहा है। कहा गया कि यह कोई साधारण राजनीतिक टिप्पणी नहीं है।

राहुल गांधी को हर चीज फर्जी नजर आती है, वह खुद फर्जीवाड़े के सरदार

जातीय गणना और पेपर लीक मामले वाले बयान पर जेडीयू ने किया पलटवार

पटना (एजेंसी)। राहुल गांधी द्वारा जातीय गणना पर उठाए गए सवाल और पेपर लीक मामले पर केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह ने कहा है कि कांग्रेस ने देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई हैं। पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि सभी के तार झारखंड से जुड़ रहे हैं। ललन सिंह के बयान का बीजेपी ने भी समर्थन किया है। बीजेपी प्रवक्ता आसितनाथ तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी बिहार में जातीय आग से खेल रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने भी केंद्रीय मंत्री ललन सिंह पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने कहा है कि यह लोग राहुल गांधी से डरे हुए हैं।

ललन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को हर चीज फर्जी नजर आती है। वह खुद ही फर्जीवाड़े के सरदार हैं। बिहार में जो जाति आधारित सर्वे कराया गया, उसके आधार पर जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे। तब वह लोग मुंह में टेप लगाए हुए थे? किसके दबाव में आकर कुछ नहीं बोल रहे थे? वह संविधान की बात करते हैं, उनको संविधान के बारे में पता है कि कितने शेड्यूल है, कितनी धाराएं हैं।

ललन सिंह ने आगे कहा कि अगर इस देश में किसी ने संविधान की धज्जियां उड़ाई तो वह कांग्रेस है। देश में आपातकाल लाकर देश की जनता को अपमानित करने का काम किया। पेपर लीक मामले में ललन सिंह ने कहा कि जब उनकी सरकार राजस्थान में थी तब वह बताएं कि कितना पेपर लीक हुआ है। जो पेपर लीक हो रहे हैं सबके तार झारखंड से जुड़ है, जहां उनकी सरकार है।

ललन सिंह के बयान पर कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोग राहुल गांधी से डरे हुए हैं। उन्हें लगता है कि अति पिछड़ों और पिछड़ों को राहुल गांधी न्याय दिलाकर ही मानेंगे। ज्ञान रंजन ने कहा इनका सिंहासन डोलता नजर आ रहा है इसलिए कुछ भी अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। रंजन ने कहा कि बिहार में एक साल में 10 बार पेपर लीक हुआ है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, अगर कोई गिरफ्तारी हुई है तो आंकड़ा जारी करें। बीजेपी प्रवक्ता आसितनाथ तिवारी ने कहा कि बिहार ने जातीय हिंसा का बड़ा दौर देखा है। बिहार में कई नरसंहार हुए, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। ऐसी घटनाएं राजद और कांग्रेस के काल में हुई। राहुल गांधी इस गुट के सरदार हैं, जिनके दौर में ऐसी घटनाएं हुई। राहुल गांधी को यह अंदाजा नहीं है कि वह एक बार फिर से जातीय आग से खेल रहे हैं। बिहार को जातीय आग में झोंकना चाहते हैं। उन्हें पता नहीं है कि यह आग एक दिन उन्हें भी जला देगी।

बता दें पटना में शनिवार को कांग्रेस के संविधान सुरक्षा सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा था कि बिहार पेपर लीक का सेंटर बन चुका है।

युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। मंहगाई बढ़ रही है। देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जाति जनगणना होनी चाहिए। यह बिहार में की गई फर्जी जाति जनगणना की तरह नहीं होगी। जाति जनगणना के आधार पर नीति बनाई जानी चाहिए। कांग्रेस जाति जनगणना को लोकसभा और राज्यसभा में पारित करेगी। हम 50 फीसदी आरक्षण की बाधा को ध्वस्त कर देंगे।

मनीष सिसोदिया ने लिया निजी लोगों से 1.50 करोड़ का ऋण, बीजेपी ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया से निजी लोगों से 1.50 करोड़ रुपए के शिक्षा ऋण के मामले में जवाब मांगा है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि यह ऋण सिसोदिया के बेटे की विदेश में शिक्षा की पढ़ाई के लिए लिया गया था। बीजेपी पर पलटवार करते हुए आप ने बीजेपी से उसके नई दिल्ली के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा की संपत्ति के बारे में सवाल किया है। आप ने एक बयान में कहा कि मनीष सिसोदिया ने बेटे की पढ़ाई के लिए ऋण लिया तो बीजेपी में हड़कंप मच गया, जबकि प्रवेश वर्मा ने 55 करोड़ रुपए निजी ऋण समेत 63 करोड़ रुपए की देनदारी घोषित की और बीजेपी इस पर चुप है। सिसोदिया के चुनावी हलफनामे का हवाला देते हुए बीजेपी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को मिले 1.50 करोड़ रुपए के शिक्षा ऋण में तीन व्यक्तियों ने योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी सिसोदिया को मिले ऋण की जांच के लिए एजेंसियों से संपर्क करेगी।

बीजेपी को दिल्ली चुनाव के बाद मिल सकता है नया अध्यक्ष, संगठन तैयारियो में जुटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी को जल्द ही नया अध्यक्ष मिल सकता है। संगठन को फरवरी तक चयन प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी के नए अध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी। दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है और 8 फरवरी को नतीजे आएंगे। ऐसे में बीजेपी का पूरा फोकस दिल्ली चुनाव पर है और जीत के लिए पूरा जोर भी पार्टी और संगठन लगा रहा है। जेपी नड्डा की अध्यक्षयता में ही ही बीजेपी दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि 10 फरवरी से 20 फरवरी के बीच बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है। संगठन चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। मंडल से लेकर जिला और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चुने जा रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषद के सदस्य भी चुने जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे और नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। अभी तक सिर्फ चार राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों का ही चुनाव हुआ है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 फीसदी राज्य इकाइयों में संगठन के चुनाव पूरे होने जरूरी हैं। बीजेपी नेताओं की माने तो पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक ही संगठन चुनाव चल रहा है और इसे समय पर पूरा करा लिया जाएगा। संगठन का कहना है कि सिर्फ महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनावों के कारण सदस्यता अभियान देर से शुरू हुआ है। फिलहाल, जेपी नड्डा ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। बतौर अध्यक्ष नड्डा का कार्यकाल पिछले साल जनवरी में ही खत्म हो गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। नड्डा ने फरवरी 2020 में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला था। वह इस समय मोदी कैबिनेट में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। नए बीजेपी अध्यक्ष नड्डा की जगह लेंगे।

बांग्लादेश की बढ़ेंगी मुश्किलें, बिहार ने कहा- जहां से गंगा निकलती है वहां पानी में हिस्सेदारी हो

पटना (एजेंसी)। बिहार की नीतीश सरकार ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि गंगा नदी जिन राज्यों से बहती है उन राज्यों को उसके पानी पर हक होना चाहिए। इसके अलावा बांग्लादेश को गंगा का पानी देने पर भी आपत्ति जाहिर की है।बता दें कि बांग्लादेश को गंगा नदी से मिलने वाले पानी का अधिकतर भाग की आपूर्ति बिहार से बिहार के हिस्से से होती है और इस कारण बिहार में ही जल संकट की स्थिति आ जाती है। अब बिहार सरकार में इस ओर ध्यान दिया है और जल संसाधन मंत्री ने कहा है कि इसको लेकर केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है।

बता दें कि भारत बांग्लादेश जल संधि का अगले साल नवीकरण (रीन्यूअल) होना है। वर्ष 1996 में भारत के प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के बीच गंगाजल बंटवारे को लेकर समझौता हुआ था। इसके तहत दोनों देशों के बीच गंगाजल का बंटवारा किया गया था। भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि के 30 वर्षों बाद अब समीक्षा होनी है। यह 2026 में पूरी होगी। इस साल समस्या के बिंदुओं पर चर्चा शुरू हो गई है और जल्द ही दोनों देशों में तकनीकी वार्ता प्रारंभ होने वाली है।

बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि

हमलोग आरंभ से 1996 के समझौते की समीक्षा की मांग कर रहे हैं। हमारा मानना है कि इस समझौते को अंतिम रूप देने से पहले हमारी राय नहीं ली गई थी। समझौते में बिहार की अपेक्षा की गई विरोध का बड़ा कारण फरक्का बराज भी है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि फरक्का बराज के कारण संपूर्ण बिहार में गाद की समस्या बढ़ती जा रही है। इससे बाढ़ की स्थिति भी विकराल हो रही है। चूंकि समझौते की समीक्षा का समय आ गया है इसलिए हम लोग चाहते हैं कि बिहार की आवश्यकताओं और गाद की समस्या को देखते हुए समझौते पर पुनर्विचार किया जाए।

दरअसल, बिहार का यह भी पक्ष है कि बांग्लादेश को गंगाजल की अधिकांश मात्रा बिहार देता है, जबकि गंगा नदी के किनारे वाले राज्य अपने यहां बेधड़क उसके पानी का उपयोग कर रहे हैं। वहां बिजली परियोजनाएं बनीं हैं, बराज बने हैं। यही नहीं सिंचाई के लिए भी गंगाजल का उपयोग कर रहे हैं, जबकि बिहार को हर कार्य के लिए केंद्र से अनुमति लेनी पड़ती है। बिहार का मानना है कि बांग्लादेश जाने वाले गंगा जल का कोटा बिहार के साथ-साथ यूपी उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के लिए भी समान रूप से तय हो। बता दें भारत और बांग्लादेश के बीच जो समझौते हुए हैं उसके तहत गंगा के पानी का बंटवारा 70 हजार क्यूसेक पानी में 35 हजार क्यूसेक भारत को रहेगा और 35 हजार क्यूसेक बांग्लादेश को। अगर यह मात्रा 70 से 75 हजार क्यूसेक है तो शेष जो प्रवाह है वह भारत के पास रहेगा। बाकी 35 हजार कि उसे बांग्लादेश के पास 75 हजार क्यूसेक से अधिक होने पर 40 हजार क्यूसेक भारत के पास रहेगा और शेष प्रवाह बांग्लादेश को जाएगा।

सैफ अली खान पर हमले वाले आरोपी के बांग्लादेशी होने पर बीजेपी बोली, महाराष्ट्र सरकार घुसपैठियों का घर-घर जाकर लगाएगी पता और उन्हें वापस भेजेगी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार करने पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी प्रवक्ता राम कदम और वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने मांग की है कि सरकार मुंबई और महाराष्ट्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। मुंबई पुलिस के डीसीपी जोन-9 ने खुलासा किया है यह आरोपी चोरी के इरादे से उस घर में घुसा था और उस वक्त पर यह घटना हुई। आरोपी बांग्लादेशी मूल का है। उसके पास से पुलिस को कोई भी भारतीय पहचान पत्र नहीं मिला है। राम कदम ने रविवार को मुंबई में कहा कि सैफ अली खान पर हमला करने वाले और चोरी के इरादे से घुसे आरोपी को मुंबई पुलिस ने दबोच लिया है। जांच के बाद क्या कारण था, सभी बातें सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि कुछ अहम बातें सामने आई हैं कि मुंबई शहर की बिल्डिंगों में जो सुरक्षाकर्मी तैनात हैं वे 24-24 घंटे ड्यूटी करते हैं। राम कदम ने कहा कि 24 घंटे ड्यूटी करने वाला वॉचमैन सोएगा जरुर। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सरकार इस दिशा में उचित कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि जहां तब बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात है तो महाराष्ट्र सरकार घर-घर जाकर उनका पता लगाएगी और जहां से वे आए हैं उन्हें वापस वहीं पहुंचाएगी।

सैलजा ने साधा निशाना कहा- एचकेआरएन कर्मचारियों के साथ वायदा खिलाफी कर रही है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि एक ओर जहां मुख्यमंत्री हरियाणा ने एचकेआरएन के तहत कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी से न हटाने का वायदा किया था और अधिसूचना जारी कर जॉब सिक्योरिटी दी थी आज वहीं सरकार भर्ती किए गए नए कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए पहले से कार्यरत कर्मचारियों को निकालने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठन वायदा याद दिलाते हुए न्याय की गुहार कर रहे है पर सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है, भाजपा को वोट देने वाला युवा आज पछता रहा है।

कुमारी सैलजा ने एक बयान में कहा है कि 19 नवंबर 2024 को हरियाणा में कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों को नायब सिंह सैनी सरकार ने कथित बड़ी सौगात देते हुए हरियाणा विधानसभा में जॉब गारंटी विधेयक पारित करवाया था। जिसे हर भाजपा नेता ने ऐतिहासिक कदम बताया था। सीएम ने भी दावा किया था कि उन्होंने 120000 युवाओं से किया गया वादा पूरा किया। कहा गया कि पहले ठेकेदारों के जरिए लगने पर युवाओं के भविष्य पर तलवार लटकी रहती थी, ठेकेदार बदलने पर उनके भविष्य पर भी खतरा पैदा हो जाता था। कुमारी सैलजा ने कहा कि एचकेआरएन में 37404 यानि 28 प्रतिशत कर्मचारी अनुसूचित जाति के 41376 कर्मचारी यानि 32 प्रतिशत कर्मचारी पिछड़ा वर्ग से हैं। पर सरकार की वायदा खिलाफी के चलते इनकी जॉब पर खतरा मंडरा रहा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि नरवाना, चरखी दादरी, रोहतक सहित कई जिलों में कंप्यूटर ऑपरेटर, चौकीदार और अन्य पदों पर कार्यरत कर्मचारियों को बिना नोटिस के नौकरी से निकल दिया। ये कर्मचारी न्याय की उम्मीद में दफ्तरों के चक्कर लगा रहे है पर अधिकारी तो अधिकारी भाजपा के विधायक, मंत्री तक कोई सुनवाई नहीं कर रहे है और न ही इन कर्मचारियों की सरकार के समक्ष पैरवी कर रहे हैं। कुमारी

सैलजा ने कहा कि अधिकतर कर्मचारी एचकेआरएन के तहत नौकरी पाने पर उनके नाम बीपीएल सूची से कट गए थे, आज वे कहीं दूसरी जगह नौकरी मांगने जाएंगे तो वहां भी नहीं मिलेगी। सैलजा ने कहा कि सरकार को अपना वायदा निभाते हुए किसी भी कर्मचारी को नौकरी से नहीं हटाना चाहिए, जो पद आज भी रिक्त पड़े है उन पर नए भर्ती किए गए युवाओं को नियुक्ति दी जाए।

साइबर अपराधियों से भारत और अमेरिका मिलकर निपटेंगे, दोनों देशों में हुआ समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर खतरों और अपराधों की जांच में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और अमेरिका ने वाशिंगटन डीसी में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। देश में इसका क्रियान्वयन गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा किया जाएगा। जबकि अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) और उससे जुड़ी हुई विभिन्न एजेंसियों जैसे यूएस इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) और द होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन साइबर क्राइम सेंटर (सी3) समझौते के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यहां बता दें कि बाइडन प्रशासन ने भारत के साथ इस

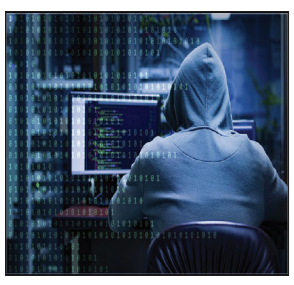

एमओयू पर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 20 जनवरी को होने वाले शपथ ग्रहण से ठीक पहले हस्ताक्षर किए हैं।

मंत्रालय ने बताया कि इस एमओयू पर 17 जनवरी को भारत की तरफ से अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने हस्ताक्षर किए। अमेरिका से उनके गृह सुरक्षा विभाग की कार्यवाहक उप-सचिव क्रिस्टी कैनेगैलो ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों देशों की एजेंसियों को आपराधिक मामलों की जांच में साइबर खतरों से जुड़ी खुफिया जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक को लेकर सहयोग और प्रशिक्षण का स्तर बढ़ाने में मददगार साबित होगा। साइबर क्राइम के तार दोनों देशों की साझा सुरक्षा चुनौतियों जैसे आतंकवाद, हिंसक कट्टरता, आतंक को वित्तपोषण, ड्रग ट्रैफिकिंग, संगठित अपराध, मानव तस्करी, अवैध प्रवासन, मनी लॉन्ड्रिंग और यातायात सुरक्षा से जुड़ते हैं। इसलिए यह समझौता इन मामलों में भी अहम साबित होगा। साथ ही इसकी मदद से दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करने में मदद मिलेगी। जो भारत की व्यापक और वैश्विक सामरिक भागीदारी का हिस्सा है।

गणतंत्र दिवस: टी-90 टैंक और ब्रह्मोस मिसाइल से सेना दिखाएगी भारत की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर मनाए जाने वाले 76 वें गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भारतीय सेना के मार्चिंग दस्ते में टी-90 भीष्म टैंक, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, पिनाका रॉकेट और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम जैसे वो बेहद मारक हथियार शामिल होंगे। जिनकी उपस्थिति मात्र से ही देश के दुश्मन थरथर कांपेंगे। इसके अलावा जवानों की मार्चिंग टुकड़ी में ब्रिगेड ऑफ द गार्डस, महार रेजिमेंट, जाट रेजिमेंट, गढ़वाल राइफल्स, जम्मू-कश्मीर राइफल्स और कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स जैसी सेना की 6 रेजिमेंट की प्रमुखता से भागीदारी देखने को मिलेगी। फिलहाल सेना का यह समूचा दस्ता कर्तव्य पथ पर परेड में शामिल होने के लिए अभ्यास में जुटा हुआ है। सेना ने शनिवार को बताया कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए हमारी तैयारियां लगभग अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस बार हम परेड के दौरान सेना की सुव्यवस्थित परंपरा के साथ ही अनुशासन और आधुनिक तकनीक के मिश्रण को देश-दुनिया के सामने बखूबी प्रदर्शित करेंगे। कर्तव्य पथ पर सशस्त्र सेनाओं की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने सेना के मार्चिंग दस्ते के साथ सैन्य बैंड भी देशभक्ति की अपनी मनमोहक धुनों के साथ आगे बढ़ेंगे। इसके अलावा सेना द्वारा परेड के दौरान प्रदर्शित किए जाने वाले सैन्य हथियारों में टी-90 भीष्म टैंक, आईसीवी बीएमपी-2, नाग मिसाइल सिस्टम, क्रिक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल (नंदीघोष), पिनाका रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम, शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम, बैटलफील्ड सर्विलांस सिस्टम (संजय), ऑल टेरेन व्हीकल (चेतक), आकाश एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, ग्रेड बीएम-21 रॉकेट लांचर, लाइट स्ट्राइक व्हीकल (बजरंग) शामिल होंगे।

आत्मनिर्भर भारत को समर्पित परेड

सेना ने बताया कि इस वर्ष की परेड देश की सुरक्षा और प्रगति को समर्पित रहेगी। जिसमें स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भर भारत अभियान द्वारा प्रदान की गई गति की साफ तौर पर झलक देखने को मिलेगी। गौरतलब है कि इस बार परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो शिरकत करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

विवेक रामास्वामी ओहियो के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ने की बना रहे योजना

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी से नेता बने विवेक रामस्वामी ओहियो के गवर्नर के रूप में चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने पहले रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के चुनाव में भाग लिया था, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। अब वह राष्ट्रपति निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति निर्वाचित जेडी वेंस के करीबी सहयोगी हैं। ट्रंप ने उन्हें और टेस्ला के मालिक एलन मस्क को शासन में सुधार करने की जिम्मेदारी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिनसिनाटी में भारतीय माता-पिता के घर जन्मे रामस्वामी हार्वर्ड और येल से स्नातक हैं। वह जल्द ही ओहियो गवर्नर के पद के लिए अपने चुनावी अभियान की घोषणा कर सकते हैं। 39 साल के रामस्वामी के बारे में एक सूत्र ने कहा, उनकी योजना पहले से तय है। डॉज में सफलता हासिल करना और फिर गवर्नर के चुनाव के लिए घोषणा करना। अगर वह जीतते हैं, तो वह ओहियो के मौजूदा गवर्नर माइक डेविन की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल सीमा के कारण समाप्त हो रहा है। ओहियो चुनाव नवंबर 2026 में होगा।

बाइडन ने 2500 लोगों की सजा कम कर बनाया रिकॉर्ड

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को एलान किया कि वह मादक पदार्थों से जुड़े हिंसा रहित अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लगभग 2,500 लोगों की सजा कम करेंगे। 20 जनवरी को अमेरिका में सत्ता परिवर्तन होगा। अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों का इस्तेमाल बाइडन ने कैदियों की सजा में छूट और माफी देने के लिए भी किया है। बड़े पैमाने पर इस तरह के क्षमादान और सजा की अवधि कम कर बाइडन ने एक रिकॉर्ड बनाया है। बाइडन ने योग्य व्यक्तियों को सलाखों के बाहर निकालने का महत्वपूर्ण कदम है।

ब्राजील की 119 साल की महिला का सबसे बुजुर्ग होने का दावा

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील की रियो डी जनेरियो राज्य की परदादी दियोलिरा ग्लिसेरिया पेड्रो डा सिल्वा (119) ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के समक्ष दुनिया के सबसे बुजुर्ग जीवित व्यक्ति के रूप में दावा पेश किया है। वे अपने 120वें जन्मदिन से दो महीने दूर हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में वर्तमान में एक और ब्राजीलियाई इनाह कैनाबारो लुकास (116) सबसे उम्रदराज जीवित व्यक्ति के रूप में शामिल हैं। वे ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल की एक नन हैं। लेकिन दियोलिरा के परिवार और डॉक्टरों को भरोसा है कि वह जल्द ही सबसे उम्रदराज व्यक्ति का खिताब हासिल कर लेंगी। दियोलिरा की पड़पोती डोरोटिया फरेरा दा सिल्वा ने कहा, हमारे पास मौजूद दस्तावेजों के अनुसार वह दुनिया में सबसे उम्रदराज हैं।

पीएम स्टार्मर ने यहूदी-विरोधी भावना से लड़ने का लिया संकल्प

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने शुक्रवार को पोलैंड में स्थित ऑशविट्ज नाजी शिविर का दौरा किया। स्थान पर पहुंचने के बाद वहां की बदहाल स्थिति को देखते हुए उन्होंने दुख जताते हुए यहूदी-विरोधी भावना से लड़ने का संकल्प लिया। बता दें कि ऑशविट्ज नाजी शिविर यह वह जगह है जहां नाजी शासन के दौरान लाखों लोगों की हत्या की गई थी। जानकारी के अनुसार स्टार्मर ने अपनी पत्नी के साथ इस स्मारक का दौरा किया। उन्होंने कहा कि उन्हें वहां जो देखने को मिला, वे बहुत भयावह थे। वहां बालों, जूतों, सूटकेस और नामों के ढेर पड़े थे, लेकिन इन चीजों में किसी भी प्रकार की इंसानियत नहीं दिख रही थी।

पाकिस्तान के कुर्रम जिले में राहत काफिले पर रॉकेट हमले में छह की मौत

कुर्रम, एजेंसी। पाकिस्तान के कुर्रम जिले में एक राहत काफिले पर हुए रॉकेट हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है, अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बता दें कि यह हमला गुरुवार को हुआ था, जब 35 वाहनों का काफिला खाद्य और चिकित्सा आपूर्ति लेकर कुर्रम जा रहा था। काफिले पर रॉकेट और स्वचालित हथियारों से हमला किया गया। हमलावरों ने हमले के बाद कुछ वाहनों को जला भी दिया, जो राहत सामग्री लेकर थल से परचिनार जा रहे थे। कुर्रम, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित है, जो धार्मिक हिंसा से प्रभावित क्षेत्र है। अधिकारियों की माने तो हमले में एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत हो गई और जवाबी कार्रवाई में छह हमलावर मारे गए। हालांकि, अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि एक और सुरक्षा कर्मी की भी मौत हुई, जिससे कानून प्रवर्तन अधिकारियों की मौत की संख्या दो हो गई।

जर्मनी की लुफ्थांसा ने 325 मिलियन यूरो में आईटीए एयरवेज का अधिग्रहण किया

लंदन, एजेंसी। जर्मनी की लुफ्थांसा एयरलाइंस समूह ने शुक्रवार को इतालवी एयरलाइन आईटीए एयरवेज के अधिग्रहण को पूरा कर लिया है। इस सौदे के तहत लुफ्थांसा ने 325 मिलियन यूरो (लगभग 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में आईटीए एयरवेज में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी ली है। इसके बाद, 2033 तक लुफ्थांसा पूरी तरह से आईटीए का नियंत्रण प्राप्त कर लेगा। आईटीए एयरवेज पहले एलीटालिया नाम से जानी जाती थी और यह इटली का प्रमुख एयरलाइन था। इस सौदे में शेष 59 प्रतिशत हिस्सेदारी इटली की सरकार के पास रहेगी। बता दें कि यह सौदा मई 2023 में घोषित किया गया था और यूरोपीय आयोग ने इसे एक साल की जांच के बाद मंजूरी दी थी।

राष्ट्रपति की शपथ लेते ही ट्रंप 100 से ज्यादा फाइलों पर करेंगे हस्ताक्षर

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप सोमवार यानी 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। इससे पहले ही उनकी टीम ने कामों की लंबी सूची बना ली है। सत्ता संभालने के तुरंत बाद ट्रंप कम से कम 100 फाइलों पर साइन करेंगे जिससे अमेरिका ही नहीं दुनिया में बवाल मच सकता है। शपथ ग्रहण के बाद वह व्हाइट हाउस में प्रवेश करेंगे। उनके ओवल ऑफिस डेस्क पर 100 से अधिक कार्यकारी आदेश उनका इंतजार कर रहे होंगे, जिन्हें उनकी टीम ने उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत बिना किसी समय की बर्बादी से बचने के लिए तैयार किया है। ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। ये कार्यकारी आदेश मुख्य रूप से उनके चुनावी वादों को पूरा करने के उद्देश्य से हैं। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि वह पहले दिन रिकॉर्ड संख्या में कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या ये कार्यकारी आदेश 100 से ज्यादा होंगे तो ट्रंप ने कहा कि हां इतना हो सकते हैं। कार्यकारी आदेश राष्ट्रपति द्वारा एक तरफा जारी किया गया आदेश होता है, जिसमें कानून की ताकत होती है। ट्रंप ने कहा कि हमारे पास रिकॉर्ड-सेटिंग संख्या में दस्तावेज हैं, जिन पर मैं शपथ ग्रहण भाषण के तुरंत बाद हस्ताक्षर करूंगा। मीडिया रिपोर्ट में ट्रंप के करीबी सहयोगी ने बताया कि ये मुख्य रूप से पांच विषयों के इर्द-गिर्द होंगे। इसमें दक्षिणी सीमा को सील करने, बड़े पैमाने पर निर्वासन, महिलाओं के खेल में ट्रांसजेंडर लोगों को रोकना, ऊर्जा अन्वेषण पर प्रतिबंध हटाना और सरकारी दक्षता में सुधार करने जैसे विषय हैं। उनके कार्यकारी आदेशों में से एक उनके समर्थकों को माफी देने की उम्मीद है, जिन्हें चार साल पहले 6 जनवरी को यूएस कैपिटल पर हमले में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले भारत आएंगे डोनाल्ड ट्रंप, अप्रैल में हो सकती है यात्रा

वॉशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कल यानी 20 जनवरी को शपथ लेंगे। इसके बाद जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति बन जाएंगे वो सबसे पहले भारत की यात्रा पर निकलेंगे। उम्मीद की जा रही है कि अप्रैल में भारत आने की योजना बन सकती है। मीडिया रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है। हालांकि इसके लिए तारीख तय नहीं हुई है। डोनाल्ड ट्रंप स्पेशल विमान से वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं, जहां उन्हें नए राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करना है। उनके साथ पत्नी मेलानिया और बेटे बैरन भी मौजूद थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप चीन की यात्रा पर भी जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप भारत यात्रा को लेकर भी इच्छुक हैं। इसको लेकर वह अपने सलाहकर्ताओं से बातचीत कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप की यह यात्रा या तो अप्रैल में या फिर साल के अंत में हो सकती है। इस दौरान वह अमेरिका और चीन के रिश्तों को बेहतर करने पर बातचीत कर सकते हैं। बता दें कि अपने चुनावी अभियान के दौरान ट्रंप ने चीन पर अतिरिक्त टैक्स लगाने की धमकी दी थी। इससे भी दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ा है। अपनी यात्रा के दौरान ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत कर संबंधों को बेहतर कर सकते हैं। एक दिन पहले ही ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति से बातचीत की है। चीन के उपराष्ट्रपति हैन झेंग ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद रहेंगे। यह पहली बार होगा, जब कोई वरिष्ठ चीनी अधिकारी अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण का गवाह बनेगा। न्यौता चीनी राष्ट्रपति को भी दिया गया था, लेकिन शी जिनपिंग किसी भी विदेशी राष्ट्रप्रमुख के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं होते।

अमेरिका ने उत्तरी यमन में हूती सैन्य ठिकानों पर किए पांच हमले : हूती टीवी

सना, एजेंसी। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी के अनुसार, अमेरिकी सेना ने शुक्रवार सुबह यमन के अमरान प्रांत में स्थित हूती सैन्य स्थल पर पांच हवाई हमले किए। यह जानकारी हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने दी। अमेरिकी सेना द्वारा ये हमले सना शहर के उत्तर में हरफ सुफयान जिले में एक सैन्य चौकी पर किए गए। हालांकि टीवी रिपोर्ट में इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई है, क्योंकि हूती समूह आमतौर पर अपने हताहतों और हुए नुकसान के बारे में जानकारी नहीं देता है। स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने सैन्य चौकी से सुबह के समय कई जोरदार विस्फोटों की आवाजें सुनीं। यह चौकी चट्टानी पहाड़ियों के नीचे स्थित है। इस सैन्य चौकी पर हथियार रखे जाते हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अभी तक इन हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह हमला उस वक्त हुआ जब हूती समूह के नेता अब्दुलमलिक अल-हूती ने एक टेलीविजन भाषण में इजरायली सेना को चेतावनी दी थी। अल-हूती ने कहा था कि अगर इजरायली सेनाएं गाजा युद्धविराम समझौते के लागू होने से पहले गाजा पर हमले जारी रखती हैं, तो उनका समूह इजरायल पर लंबी दूरी के रॉकेट हमले करता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इजरायल युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करता है, तो हूती समूह फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन में सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा। हूती नेता ने यह दावा भी किया कि अमेरिका भविष्य में हमास की भूमिका समाप्त करने की कोशिश करेगा, लेकिन यह प्रयास विफल रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके समूह ने नवंबर 2023 से लेकर अब तक लाल सागर और अदन की खाड़ी में इजरायली शहरों, जहाजों और अमेरिकी युद्धपोतों पर 1,255 हमले किए हैं। अमेरिका की ओर से अभी तक इन हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

टिकटॉक पर प्रतिबंध का फैसला आगामी प्रशासन करेगा: कैरीन जीन पियरे

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा है कि चीनी सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध का फैसला अब आने वाला प्रशासन करेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने कहा कि कानून को लागू करने की जिम्मेदारी अब आने वाले प्रशासन पर है। शुक्रवार को एक बयान में जीन-पियरे ने कहा, टिकटॉक पर राष्ट्रपति बाइडन की स्थिति महीनों से स्पष्ट है, वे चाहते हैं कि टिकटॉक अमेरिकियों के लिए उपलब्ध रहना चाहिए, लेकिन उसका स्वामित्व अमेरिकी कंपनी के पास होना चाहिए। जैसा कि कानून में प्रावधान भी है। गौरतलब है कि अमेरिकी संसद ने पिछले साल एक कानून पारित किया था, जिसके तहत टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस को 19 जनवरी तक अमेरिका में अपने कारोबार को बेचना है। बाइडन सरकार का कार्यकाल लगभग खत्म हो चुका है और 20 जनवरी को ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। यही वजह है कि बाइडन प्रशासन ने टिकटॉक पर कोई फैसला नहीं लेने का तय किया है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने हालिया फैसले में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है, लेकिन अगर बाइटडांस अमेरिका में अपने कारोबार को किसी अमेरिकी कंपनी को बेच देती है तो इस प्रतिबंध को टाला जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट से ऐसे ही फैसले की उम्मीद थी।

ट्रम्प का शपथग्रहण खुले में नहीं होगा: 40 साल में पहली बार इनडोर सेरेमनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार, यानी 20 जनवरी को भीषण ठंड की वजह से खुले में न होकर यूएस कैपिटल हिल (संसद) के अंदर होगा। रॉयटर्स के मुताबिक, 40 साल में यह पहली बार होगा जब अमेरिकी राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह संसद के भीतर किया जाएगा। ट्रम्प के शपथ ग्रहण के दौरान तापमान माइनस 7 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। ट्रम्प ने शुक्रवार को अपने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर कहा, देश में आर्कटिक (नॉर्थ पोल के पास) का बर्फीला तूफान चल रहा है। मैं नहीं चाहता कि लोग किसी भी तरह से घायल हों। इसलिए मैंने प्रार्थना और अन्य भाषणों के अलावा उद्घाटन भाषण भी कैपिटल रोटुंडा (कैपिटल हिल इमारत के अंदर बना गोलाकार कमरा) में दिए जाने का आदेश दिया है। ट्रम्प ने कहा- हर कोई सुरक्षित रहेगा, हर कोई खुश रहेगा और हम सब मिलकर अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। इससे पहले 1985 में रोनाल्ड रीगन का दूसरा शपथ ग्रहण भी कैपिटल रोटुंडा में हुआ था। उस समय तापमान माइनस 23 से माइनस 29 डिग्री सेल्सियस के बीच था। कैपिटल रोटुंडा कैपिटल हिल बिल्डिंग में गुंबद के नीचे है। यह अमेरिकी संसद के दोनों सदनों की ओर जाने वाले गलियारों से जुड़ा हुआ है।

पोलर वोर्टेक्स से जूझ रहा है अमेरिका : अमेरिका के कई राज्य इस समय भीषण ठंडी हवाओं से जूझ रहे हैं। इसकी बड़ी वजह पोलर वोर्टेक्स (ध्रुवीय भंवर) को माना जा रहा है। पोलर वोर्टेक्स में हवाएं काउंटर क?लॉकवाइज (घड़ी की उल्टी दिशा) बहती हैं। पोलर वोर्टेक्स भौगोलिक संरचना के कारण आमतौर पर नॉर्थ पोल के चारों ओर घूमता है, लेकिन जब यह दक्षिण की तरफ बढ़ता है तो अमेरिका, यूरोप और एशिया में भारी ठंड लाता है।

पोलर वोर्टेक्स के क्या खतरे हो सकते हैं : जब पोलर वोर्टेक्स चल रही हों, तब घर से बाहर निकलना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इस वक्त बिना विंटर किट के बाहर निकलने पर 5 से 7 मिनट में दिल का दौरा पड़ सकता है। इसके अलावा स्किन जम सकती है। ऐसे मौसम में गाड़ी भी स्टार्ट नहीं होती हैं। इससे बचने का सिर्फ एक ही उपाय है कि जब ध्रुवीय हवाएं चल रही हों, तब घर के भीतर ही रहें। कुछ रिसर्च से पता चला है कि बीते कुछ सालों में आर्कटिक तेजी से गर्म हो रहा है, जिससे पोलर वोर्टेक्स दक्षिण की तरफ शिफ्ट हो रहा है।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, मुकेश अंबानी शामिल होंगे : ट्रम्प के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम बिल्डिंग के अंदर कराए जाने को लेकर लॉ इन्फोर्समेंट अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई है। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के सदस्यों को भी इस बारे में जानकारी दे दी गई है। ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले वे 2017 से 2021 के बीच 45वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर चुके हैं। ट्रम्प के शपथ ग्रहण में भारत से विदेश मंत्री एस जयशंकर के अलावा क्वाड देशों के विदेश मंत्री भी मौजूद रहेंगे। अमेरिकी उद्योगपतियों में इलॉन मस्क के अलावा, जेफ बेजोस, मार्क जुकरबर्ग और सैम ऑल्टमैन मौजूद रह सकते हैं। इसके अलावा उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी भी अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने जाएंगे। शपथ ग्रहण के लिए रिकॉर्ड 1.5 हजार करोड़ चंदा शपथ ग्रहण समारोह के लिए ट्रम्प की टीम को रिकॉर्ड चंदा मिला है। ट्रम्प से बेहतर रिश्ता बनाने के लिए उद्योगपति जमकर फंडिंग कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अभी तक 170 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपए) आ चुके हैं। यह आंकड़ा 200 मिलियन डॉलर (करीब 1700 करोड़ रुपए) तक भी पहुंच सकता है। पिछली बार बाइडेन के शपथ ग्रहण समारोह में 62 मिलियन डॉलर (536 करोड़ रुपए) का चंदा इकट्ठा हुआ था। वहीं ट्रम्प के 2017 के शपथ ग्रहण समारोह में 107 मिलियन डॉलर (925 करोड़ रुपए) इकट्ठा हुए थे।

अमेरिका के निचले सदन में ताइवान के साथ दोहरे कर से राहत देने वाला विधेयक पारित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 15 जनवरी को एक विधेयक पारित किया। इसका उद्देश्य टैक्स (कर) भुगतान को कम करना, डबल टैक्सेशन (दोहरे कर) से बचना और ताइवान के व्यवसायों, निवासियों तथा कर्मचारियों के लिए कर में छूट देना है। बता दें, इस विधेयक को यूएस-ताइवान एक्सपेडाइटेड डबल-टैक्स रिलीफ एक्ट कहा गया है। यह सदन में 423-1 मतों से पारित हुआ। अब इसे अमेरिकी सीनेट में भेजा जाएगा। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो यह अमेरिकी राष्ट्रपति के पास जाएगा, जिनके हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा।

यह है मकसद : विधेयक का मुख्य उद्देश्य अमेरिका और ताइवान के बीच दोहरे कर को रोकना है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह अमेरिका में रहने वाले पात्र ताइवानी निवासियों को कर छूट प्रदान करने के लिए वर्तमान अमेरिकी कर कानूनों में संशोधन करना चाहता है और अमेरिका में लाभांश और ब्याज जैसे विशिष्ट स्रोतों से आय पर रोक लगाने वाले कर की दरों को कम करना चाहता है।

ताइवान में व्यापार करने वाले अमेरिकियों को देना... इस विधेयक के तहत, एक महत्वपूर्ण कदम यह होगा कि यूएस-ताइवान टैक्स एग्रीमेंट ऑथराइजेशन एक्ट को लागू किया जाएगा, जिसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को ताइवान के साथ कर समझौते पर बातचीत करने और उसे लागू करने का अधिकार मिलेगा। प्रतिनिधि जूडी ने कहा कि वर्तमान कानूनों के तहत ताइवान में व्यापार करने वाले अमेरिकियों को दोनों देशों में एक ही आय पर कर देना पड़ता है, जिससे हर तरह के व्यापार को नुकसान होता है। इसी तरह ताइवानी लोगों को भी दोहरा कर देना होता है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में सिर्फ ताइवान के पास दोहरे कर समझौते का अभाव है। ताइवान में अमेरिकी इंस्टीट्यूट द्वारा कराए गए एक सर्वे का हवाला देते हुए जूडी ने कहा कि 79 प्रतिशत ताइवान कंपनियों ने बताया कि आय पर दोहरे कर का नियम एक महत्वपूर्ण कारण है, जो उन्हें अमेरिका में अधिक निवेश करने से रोकता है।

प्रवासियों को स्पेन ले जा रही नाव मोरक्को के पास पलटी, 40 से ज्यादा पाकिस्तानी नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। मोरक्को के पास समुद्र में पाकिस्तानी नागरिकों को अवैध तरीके से ले जा रही नाव के पलटने से 40 लोगों की मौत हो गई. नाव सवार स्पेन जा रहे थे. इस नाव में 80 प्रवासी सवार थे. यह जानकारी पाकिस्तानी अधिकारियों और प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने दी है. इस हादसे पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने दुख जताया है. विदेश कार्यालय (एफओ) ने गुरुवार को कहा कि 80 यात्रियों को ले जा रही एक नाव मोरक्को के पास पलट गई, जिसमें 40 से अधिक पाकिस्तानी बताए जा रहे हैं. प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने कहा कि पश्चिमी अफ्रीका से स्पेन के कैनरी द्वीप तक जाने की कोशिश कर रहे 50 से ज़्यादा प्रवासी डूब गए. समूह ने कहा कि मोरक्को के अधिकारियों ने एक दिन पहले ही 36 लोगों को बचाया था, जो 2 जनवरी को मॉरिटानिया से 86 प्रवासियों के साथ रवाना हुई थी, जिसमें 66 पाकिस्तानी शामिल थे. वॉकिंग बॉर्डर्स की सीईओ हेलेना मालेनो ने एक्स पर कहा कि डूबने वालों में से 44 पाकिस्तान के थे.

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मोरक्को में उसका दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है. मंत्रालय ने बयान में कहा, राबत (मोरक्को) में हमारे दूतावास ने हमें सूचित किया है कि मॉरिटानिया से रवाना हुई 80 यात्रियों को ले जा रही एक नाव, जिसमें कई पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं, मोरक्को के दखला बंदरगाह के पास पलट गई. इसमें पाकिस्तानियों सहित कई जीवित बचे लोग दखला के पास एक शिविर में ठहरे हुए हैं.

इस हादसे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संवेदना व्यक्त की. उन्होंने ट्वीट कर कहा मानव तस्करी जैसे घिनौने अपराधों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. प्रधानमंत्री शरीफ ने मानव तस्करों और एजेंटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए इसे निर्दोष नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड़ बताया और ऐसे मामलों पर रोक लगाने की बात कही.

वहीं, वॉकिंग बॉर्डर्स ने कहा कि उसने लापता नाव के बारे में छह दिन पहले सभी संबंधित देशों के अधिकारियों को सचेत कर दिया था. एक गैर सरकारी संगठन- अलार्म फोन, जो समुद्र में खोए प्रवासियों के लिए आपातकालीन फोन लाइन प्रदान करता है, ने भी कहा कि उसने संकट में फंसी नाव के बारे में 12 जनवरी को स्पेन की मैरीटाइम रेस्क्यू सर्विस को सचेत कर दिया था. वॉकिंग बॉर्डर्स के अनुसार, 2024 में स्पेन पहुंचने की कोशिश में रिकॉर्ड 10,457 प्रवासी, या प्रतिदिन 30 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश मॉरिटानिया और सेनेगल जैसे पश्चिमी अफ्रीकी देशों से कैनरी द्वीप तक अटलांटिक मार्ग पार करने का प्रयास करते समय मारे गए।

नाइजीरिया को मिला ब्रिक्स पार्टनर देश का दर्जा : ब्राजील ने किया ऐलान

ब्राजिलिया, एजेंसी। अफ्रीका महाद्वीप का देश नाइजीरिया शुक्रवार को औपचारिक रूप से ब्रिक्स का पार्टनर सदस्य बन गया है। रूस की न्यूज एजेंसी आरटी के मुताबिक ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान के साथ नाइजीरिया 9वां ऑफिशियल ब्रिक्स पार्टनर बन गया है।

ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा- ब्राजील सरकार ब्रिक्स की अपनी अस्थायी अध्यक्षता का इस्तेमाल करते हुए आज 17 जनवरी, 2025 को ब्रिक्स में पार्टनर देश के तौर पर नाइजीरिया के ऑफिशियल एंट्री की घोषणा करती है। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा दुनिया की छठी बड़ी आबादी और अफ्रीकी महाद्वीप की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था (3.29 लाख करोड़ रुपए) होने के नाते नाइजीरिया के हित अन्य ब्रिक्स देशों से मेल खाते हैं। नाइजीरिया ने ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर ग्लोबल साउथ को मजबूत करने और ग्लोबल ऑर्डर में सुधार लाने के लिए प्रयास किए हैं। पिछले साल रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स समिट में 13 देशों को पार्टनर देश का दर्जा दिया गया था। इनमें से अब तक 9 देश औपचारिक तौर पर इसके पार्टनर देश बन गए हैं।

तेल और गैस के भंडार, आपसी संघर्ष से अशांति नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। नाइजीरिया की आबादी 22 करोड़ है। यह देश सबसे तेजी से आबादी बढ़ने वाले देशों में शामिल है। नाइजीरिया में तेल और गैस के विशाल भंडार हैं, लेकिन आपसी संघर्ष

की वजह से यहां लगातार राजनीतिक उथल पुथल मची रहती है।

बीबीसी के मुताबिक नाइजीरिया दो भागों में बंटा हुआ है। उत्तरी हिस्सा जहां मुसलमान बहुसंख्यक हैं वहां गरीबी ज्यादा है। दक्षिणी और पूर्वी नाइजीरिया में ईसाई आबादी ज्यादा है। ये इलाका ज्यादा संपन्न है। इंडोनेशिया बना था 10वां स्थायी सदस्य देश 7 जनवरी को दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया ब्रिक्स का स्थायी सदस्य बन था। इंडोनेशिया ब्रिक्स में शामिल होने वाला 10वां स्थायी सदस्य देश है। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने साल 2023 में ईरान, यूएई, इजिप्ट और इथोपिया के साथ सऊदी अरब के शामिल होने की घोषणा की थी। सऊदी अरब के ब्रिक्स में शामिल होने की प्रक्रिया फरवरी 2024 में शुरू होने वाली थी लेकिन आखिरी वक्त में सऊदी अरब ने कहा था कि वह फिलहाल ब्रिक्स में शामिल नहीं हो रहा है। अब तक ब्रिक्स की 16 समिट हो चुकी है 2009 में ब्रिक्स देशों की पहली समिट हुई थी। इसका आयोजन रूस में हुआ था। इसके बाद 2010 में साउथ अफ्रीका के शामिल होने के बाद इसका नाम बदलकर ब्रिक्स हो गया। अब तक 16 बार ब्रिक्स समिट हो चुकी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिव महापुराण कथा के बैनर हटाने पर विवाद

4 से 22 जनवरी के दौरान विभिन्न स्थानों पर 100 बैनर मुफ्त लगाने का प्रस्ताव स्टैंडिंग कमेटी ने पारित किया था

मेरी सिफारिश पर निर्णय लिया गया,लेकिन बदलाव की जानकारी नहीं दी गई: सोमनाथ मराठे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिम्बायत क्षेत्र में श्री साईं लीला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है। कथा आयोजक साईं लीला चैरिटेबल ट्रस्ट को 4 से 22 जनवरी के दौरान विभिन्न स्थानों पर 100 बैनर मुफ्त लगाने का प्रस्ताव 3 जनवरी को स्टैंडिंग कमेटी ने पारित किया था। इस प्रस्ताव की सिफारिश क्ष्छ्क के कॉर्पोरेटर और ट्रांसपोर्ट कमेटी के चेयरमैन सोमनाथ मराठे ने की थी। हालांकि, 16 जनवरी को हुई स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में 22 जनवरी के बजाय 16 जनवरी तक की समय सीमा तय करने का निर्णय लिया गया, जिसके बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।

इस मामले में BJP कॉर्पोरेटर और ट्रांसपोर्ट कमेटी के चेयरमैन सोमनाथ मराठे ने कहा कि शहर में भव्य शिवपुराण का आयोजन होने वाला था और यह बहुत बड़ा धार्मिक आयोजन था। इसलिए मैंने निगम में सिफारिश की थी। इसे ध्यान में रखते हुए निगम ने प्रस्ताव पारित कर करीब 80 पोस्टर, बैनर और होर्डिंग लगाने की मंजूरी दी थी। लेकिन अचानक किस कारण से प्रस्ताव में बदलाव किया गया, इसकी जानकारी मुझे नहीं दी गई है।

सोमनाथ मराठे ने कहा, "मेरी सिफारिश पर जब प्रस्ताव पारित किया गया था, तो स्वाभाविक है कि प्रस्ताव में कोई बदलाव किया जाए, तो मुझे जानकारी दी जानी चाहिए थी। लेकिन किसी कारणवश मुझे इसकी जानकारी नहीं दी गई। तय समय से पहले ही बैनर हटाने का काम शुरू कर दिया गया, जो बेहद दुखद है। यह शिवभक्तों का अपमान है और मेरा भी अपमान है। एक बार प्रस्ताव पारित हो जाने के बाद उसमें इस तरह बदलाव करना उचित नहीं है। मैं इस पूरे मामले को हाई कमांड के सामने रखूंगा। धार्मिक कार्यक्रम को लेकर राजनीति करने वालों को इस पर सफाई देनी चाहिए। यदि हाई कमांड मुझसे कहेगा, तो मैं इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हूं।"

इस फैसले पर स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल ने कहा, "धार्मिक कार्यक्रम होने के कारण संस्था की अपील को ध्यान में रखते हुए हमने 100 हॉर्डिंग्स के लिए प्रस्ताव पारित किया था। हालांकि, हॉर्डिंग्स की बड़ी संख्या और लंबी अवधि के चलते लाइसेंस और शुल्क को लेकर ऑडिट में आपत्ति उठने की संभावना को देखते हुए समय अवधि को कम कर दिया गया।"

हालांकि, पहले प्रस्ताव पारित करते समय यह मुद्दा सामने नहीं आया था, और बाद में यह उठने से सूरत की राजनीति में कई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

लिंबायत क्षेत्र में मराठी समुदाय का प्रभाव काफी व्यापक है। स्थानीय नेता भी अधिकांशत: पाटिल समाज से आते हैं। कथा आयोजित करने वाले दोनों भाई भी पाटिल समाज से हैं। वर्तमान में जिस तरह पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव कथा में महाराष्ट्र से लेकर अन्य राज्यों के लाखों लोग शामिल हो रहे हैं, उसी तरह पाटिल बंधु अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

दोनों पाटिल बंधु आज महाराष्ट्रीयन समाज में बड़ी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं, जिससे राजनीतिक रूप से स्थानीय नेताओं में हलचल मच गई है। शिवपुराण कथा की बढ़ती सफलता को देखकर राजनीतिक रूप से अपनी स्थिति को नुकसान पहुंचने की संभावना के चलते पाटिल बंधुओं के खिलाफ आंतरिक खींचतान शुरू हो गई है।

यह पूरा मामला अब राजनीति का अखाड़ा बनता दिख रहा है। स्थानीय पाटिल नेताओं पर पाटिल बंधु हावी होते नजर आ रहे हैं। बीजेपी का आंतरिक संगठन भी आपसी टकराव का सामना कर रहा है। शिव कथा के आयोजन ने राजनैतिक माहौल में बड़ा बदलाव ला दिया है।

पलसाणा में कंपनी के बॉयलर विभाग में दर्दनाक घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

चतुर्भुज कंपनी में काम करने वाले अरविंदभाई कुशवाह के डेढ़ साल के बेटे अंकुश की डीजल पीने से दुखद मौत हो गई है।

घटना के विवरण के अनुसार, मूल रूप से उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के निवासी और वर्तमान में तातीतैय्या गांव के सोनिपार्क-1 में रहने वाले अरविंदभाई की पत्नी किरणदेवी रोज की तरह अपने पति को टिफिन देने दोनों बच्चों के साथ कंपनी गई थीं। इस दौरान डेढ़ साल का छोटा बेटा अंकुश कंपनी के बॉयलर विभाग में खेल रहा था, जहां उसने दुर्घटनावश डीजल पी लिया।

गंभीर हालत में बच्चे को तुरंत संजीवनी अस्पताल में लाया गया, जहां से उसे आगे इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल भेजा गया, लेकिन तीन दिनों की गहन चिकित्सा के बावजूद बच्चे की मौत हो गई। इस घटना ने श्रमिक परिवार को गहरे शोक में डाल दिया है।

सूरत जिले के पलसाणा तालुका के तातीतैय्या गांव में दिल दहला देने वाली घटना

कडोदरा त्ढ्ढष्ठ पुलिस स्टेशन में बच्चे की मां किरणदेवी की शिकायत के आधार पर हादसे का मामला दर्ज किया गया है। हेड कांस्टेबल राकेशभाई रमणभाई मामले की अधिक जांच कर रहे हैं। इस घटना ने कंपनियों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

सूरत में 11 वर्षीय बालक पर कुत्ते का हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में कुत्तों के आतंक की एक और घटना सामने आई है। पांडेसरा इलाके में एक बालक पर कुत्ते ने हमला कर दिया। 11 वर्षीय बालक के गले के हिस्से में कुत्ते ने काट लिया, जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे चार टांके लगाए।

कुत्ते ने गले पर काटा, जिससे गंभीर चोट आई।

मिली जानकारी के अनुसार, पांडेसरा इलाके के बालाजी नगर में 11 वर्षीय आदित्य सहानी अपने परिवार के साथ रहता है। आज आदित्य बालाजी नगर से ईश्वर नगर की ओर जा रहा था,

तभी गीता नगर की गली से गुजरते समय एक कुत्ता उसकी तरफ दौड़ा और उस पर हमला कर दिया। कुत्ते ने आदित्य के गले पर काटा, जिससे उसे गंभीर चोट आई।

रेबीज रोधी टीका लगाकर छुट्टी दी गई।

पांडेसरा में मासूम बच्चे को गले के हिस्से में कुत्ते ने काटा, जिसकी वजह से चार टांके आए। घायल बच्चे को उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया।

कुत्ते के हमले के बाद आसपास के लोग तुरंत दौड़कर आए और आदित्य को बचा लिया। इसके बाद आदित्य को इलाज के लिए सूरत सिविल अस्पताल ले जाया गया।

वहां तुरंत उसका उपचार किया गया और गले के हिस्से में चार टांके लगाए गए। साथ ही उसे रेबीज रोधी टीका लगाया गया और छुट्टी दे दी गई।

पांच साल का बच्चा चलते-चलते सात किलोमीटर दूर चला गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक 5 साल के बच्चे ने 7 किलोमीटर चलने के बाद थककर सो जाने की घटना सामने आई है। बच्चे का परिवार उसे ढूंढ रहा था, और पुलिस ने 100 से अधिक CCTV फुटेज की जांच कर बच्चे का पता लगाया। पुलिस की इस सख्त कोशिश के बाद, जब बच्चे को उसके परिवार से मिलाया गया, तो वहां भावनात्मक दृश्य देखने को मिले। सूरत शहर में पुलिस का एक और देवदूत बनने का मामला सामने आया है। रांदेर क्षेत्र में पांच साल का बच्चा गायब हो गया था, जिससे परिवार चिंतित था। इस मामले की सूचना मिलने पर रांदेर पुलिस ने 100 से अधिक CCTV फुटेज चेक किए और कुछ घंटों में बच्चे को ढूंढ निकाला। इसके बाद, जब बच्चे का मिलन उसके परिवार से हुआ, तो पुलिस स्टेशन में भावनात्मक दृश्य बने। उल्लेखनीय है कि यह पांच साल का बच्चा चलते-चलते सात किलोमीटर दूर चला गया था और थक जाने के बाद वहीं सो गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दाहोद के निवासी रमीला बेन अबेस डोडियार और उनके पति अभेस कालूभाई छूटे-मुटे मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते हैं। उनके तीन बच्चे हैं, जिन्हें वे मजदूरी करते समय हमेशा अपने साथ ले जाते हैं। वे काम करते हुए अपने बच्चों को भी साथ रखते हैं, जो खेलते रहते हैं। कल (18 जनवरी) सुबह 10:00 बजे, वे रांदेर स्थित शेल्बी अस्पताल के पास मजदूरी के लिए गए थे और अपने बच्चों को भी साथ ले आए थे।

नवसारी में डंपर की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मरौली के पास रोड साइड पर खड़े तीन दोस्तों को डंपर ने टक्कर मारी, जिसमें पीछे के टायर के नीचे आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायल युवकों को तुरंत अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है और डंपर चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

नवसारी शहर में एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। मरौली के छीणम गांव के पास हुई इस घटना में डंपर ने तीन युवकों को टक्कर मारी थी।

घटना के अनुसार, मिथिला नगरी के निवासी और कलर का काम करने वाले तीन दोस्त मरौली क्षेत्र में घूमने गए थे। छीणम चौराहे के पास उन्होंने अपनी बाइक खड़ी कर पान-मावा खाने के लिए रुक गए थे। इसी दौरान, एक डंपर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसके पिछले टायर के नीचे अमित रामचंद्र (उ.व.32) आ गए थे। दुर्घटना में अमित की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अन्य दो दोस्तों को चोटें आईं, जिन्हें नवसारी सिविल अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है।

मरौली पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। नवसारी जिले में डंपर चालकों की लापरवाही और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन चिंता का विषय बन गया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो के प्रमुख शमशेर सिंह को BSF का एडीजी (असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल) नियुक्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात काडर के अधिक IPS अधिकारियों को केंद्र में जिम्मेदारी मिली है। एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) के प्रमुख शमशेर सिंह को BSF (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) का एडीजी (असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल) नियुक्त किया गया है। वे मार्च 2026 तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे।

गुजरात के एक और IPS अधिकारी को केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। ACB के प्रमुख शमशेर सिंह को BSF (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) के एडीशनल DG (असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल) के रूप में नियुक्त किया गया है। शमशेर सिंह 1991 बैच के गुजरात काडर के IP-Sअधिकारी हैं और 31 मार्च 2026 तक BSF में कार्यरत रहेंगे। शमशेर सिंह को एक ईमानदार IPS अधिकारी के रूप में जाना जाता है।

IPS शमशेर सिंह मूल रूप से हरियाणा के हैं। उन्होंने दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) से प्रबंधन में PhD किया है और वे 1991 बैच के गुजरात काडर के IPS अधिकारी हैं। वे 2020 तक क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (CID) क्राइम के ADGP रहे थे, उसके बाद उन्हें वडोदरा शहर के पुलिस कमिश्नर के रूप में नियुक्त किया गया। वर्तमान में वे ष्ठक्क के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। अब उन्हें BSF के ADG के रूप में नियुक्त किया गया है।

पुलिस ने आरोपी के साथ घटना का रीकंस्ट्रक्शन किया

अपहरण, लूट और फिरौती के कुख्यात आरोपियों ने लंगड़ाते हुए घटना स्थल का रीकंस्ट्रक्शन किया

उत्राण पुलिस ने सुरत में अपहरण, लूट और फिरौती के आरोपियों के साथ घटना का रीकंस्ट्रक्शन किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उत्राण पुलिस ने सुरत में अपहरण, लूट और फिरौती के आरोपियों के साथ घटना स्थल पर रीकंस्ट्रक्शन किया। इसमें कुख्यात अपराधी लंगड़ाते हुए चलते नजर आए। उल्लेखनीय है DGP द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोपी के वरघोडे के बारे में कहा गया था कि पुलिस आरोपी के वरघोडे नहीं निकालती, केवल अपराध स्थल पर जाकर सबूत इकट्ठा करती है। इस समय DGP भी सुरत में हैं और उत्राण पुलिस ने अपहरण और लूट के आरोपियों के साथ घटना का रीकंस्ट्रक्शन किया है।

उत्राण पुलिस स्टेशन में दर्ज अपहरण और फिरौती के मामलों के अनुसार, सुरत में मोटा वराछा-गोपीनगर रोड पर दो कारों के बीच सामान्य हादसे में साड़ी के जॉबवर्कर को मारकर उसकी ही कार में अपहरण कर 2 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई, जिसमें से 69 हजार रुपये प्राप्त किए गए थे। इसके अलावा, जॉबवर्कर के वाहन व्यापार करने वाले को भी अपहरण कर मारपीट की गई और पुलिस की बाइक को टक्कर मारकर फरार हुए थे।

इस मामले में कुख्यात किरिट मावाणी और मनीष कुकरी गैंग के राकम कु वाला के खिलाफ उत्राण पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी।

पुलिस ने मनीष कुकरी गैंग के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि इस घटना में कुख्यात मनीष कुकरी गैंग के किरिट मावाणी के खिलाफ सुरत और अहमदाबाद में 18 से अधिक अपराध दर्ज हैं।

सूरत में 42 वर्षीय युवक की सड़ी-गली लाश मिली, परिवार वालों को हत्या का शक,

पीएम के बाद सच सामने आएगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक 42 वर्षीय युवक की सड़ी-गली लाश मिली। जब परिवार वाले कमरे का शटर उठाते हैं, तो वहां से दुर्गंध आने लगती है। इस पर वे हैरान हो गए। परिवार वालों का शक है कि युवक की हत्या की गई है। पोस्टमार्टम के बाद सच सामने आने की संभावना है।

सूरत के भेस्तान क्षेत्र में एक युवक की रहस्यमय मौत हुई है। युवक जिस कमरे में रहता था, वहां से बहुत बुरी दुर्गंध आ रही थी, और जैसे ही कमरे का शटर उठाया गया, परिवार वाले हैरान रह गए। युवक की सड़ी-गली लाश मिली थी। कमरे में शव के पास खून और अन्य चोटों के निशान देखकर परिवार वालों को हत्या का शक हुआ है। इस मामले में भेस्तान पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

मृतक 42 वर्षीय नीलकंठ जूटिया शेट्टी मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला था और सूरत के भेस्तान क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर में रहता था। उसके परिवार में मां, पत्नी और तीन बच्चे थे। उसके पिता का निधन हो चुका था और उसका परिवार वतन में रहता था, जबकि नीलकंठ अकेले यहां रहकर लुम्स के कारखाने में मजदूरी करता था और अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। परिवार के अनुसार, पिछले रात पड़ोसियों ने सूचना दी थी कि नीलकंठ अपने कमरे से बाहर नहीं आया। नीलकंठ जिस कमरे में रहता था, वहां से बहुत तेज दुर्गंध आ रही थी। इस पर परिवार ने कमरे का शटर ऊपर किया, तो उन्होंने नीलकंठ की सड़ी-गली लाश पाई। लाश के पास खून और चोटों के निशान देखकर परिवार को यह शक हो रहा है कि उसकी हत्या की गई है। नीलकंठ के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है। इसके साथ ही भेस्तान पुलिस परिवारजनों के आरोपों के आधार पर और अधिक जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद नीलकंठ की मौत का असली कारण सामने आएगा।